RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 181 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 26-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 उत्तर प्रदेश, देश की अर्थव्यवस्था का संबल बन रहा : योगी आदित्यनाथ

6 अमेरिकी दबाव के बीच भारतीय बजट की बड़ी परीक्षा

7 विक्रांत मैसी की फिल्म में दिख सकती हैं जेनिफर लोपेज

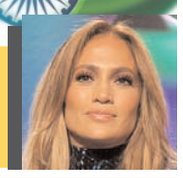

अवकाश की सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत के सभी पाठकों, हितैषियों, विज्ञापनदाताओं को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार 26 जनवरी 2026 को दक्षिण भारत कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक 28 जनवरी 2026 को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

भारत दुनिया में शांति का संदेश फैला रहा है : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विभिन्न महाद्वीपों में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच रविवार को कहा कि भारत विश्व में शांति का संदेश फैला रहा है, जो मानवता के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

मुर्मू ने 77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' और महिला सशक्तीकरण समेत विभिन्न मुद्दों पर बात की और वंदे मातरम् तथा देश की बढ़ती अर्थव्यवस्था जैसे विषयों पर भी चर्चा की।

राष्ट्रपति मुर्मू ने शांति के ''संदेशवाहक'' के रूप में भारत की स्थिति को रेखांकित करते हुए सार्वभौमिक सद्भाव के प्रति प्राचीन सभ्यतागत प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया।

उन्होंने कहा, ''हमारी परंपरा में, समस्त सृष्टि में शांति के बने रहने की प्रार्थना की जाती रही है। पूरे विश्व में शांतिपूर्ण व्यवस्था स्थापित होने से ही मानवता का भविष्य सुरक्षित रह सकता है। विश्व के अनेक क्षेत्रों में व्याप्त अशांति के वातावरण में, भारत द्वारा विश्व-शांति का संदेश प्रसारित किया जा रहा है।''

भारतीय उत्पाद उच्च गुणवत्ता के पर्याय होने चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उद्योग जगत एवं स्टार्टअप से गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने तथा विनिर्माण में उत्कृष्टता को एक मानदंड बनाने का संकल्प लेने का रविवार को आग्रह किया।

मोदी ने रेडियो पर प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि भारतीय उत्पाद उच्च गुणवत्ता के पर्याय होने चाहिए। उन्होंने उद्योग जगत से ऐसे उत्पादों का निर्माण करने का आग्रह किया जिनमें किसी प्रकार की कमी नहीं हो। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 130वें 'मन की बात' संबोधन में कहा, ''हम जो कुछ भी निर्मित करते हैं, आइए, उसकी गुणवत्ता में सुधार करने का संकल्प लें। चाहे वह हमारे वस्त्र हों, प्रौद्योगिकी हो, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण हों या पैकेजिंग, हर भारतीय उत्पाद 'सर्वोत्तम गुणवत्ता' का पर्याय होना चाहिए।'' उन्होंने उन युवाओं के प्रयासों की भी सराहना की, जिन्होंने 10 साल पहले 2016 में शुरू हुई भारत की स्टार्टअप यात्रा में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मोदी ने कहा, ''आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप परिवेशी तंत्र बन गया है। ये स्टार्टअप ढर्रे से हटकर काम कर रहे हैं; ये उन क्षेत्रों में काम कर रहे हैं जिनकी कल्पना भी 10 साल पहले तक नहीं की जा सकती थी।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय स्टार्टअप कंपनियां एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, परिवहन एवं आवागमन, हरित हाइड्रोजन और जैव प्रौद्योगिकी जैसे विविध क्षेत्रों में काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''आप किसी भी क्षेत्र का नाम लीजिए और आपको उस क्षेत्र में काम करने वाला कोई न कोई भारतीय स्टार्टअप मिल जाएगा। मैं अपने उन सभी युवा मित्रों को सलाम करता हूं जो किसी न किसी स्टार्टअप से जुड़े हैं या अपना खुद का स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं।'' प्रधानमंत्री ने देशवासियों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस और गणतंत्र दिवस की भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ''भारत पर दुनिया की नजरें हैं और ऐसे समय में हम सब पर एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी भी है। वो जिम्मेदारी है गुणवत्ता पर जोर देने की। होती है, चलती है, चल जाएगा, वो युग चला गया। आइए इस वर्ष हम पूरी ताकत से गुणवत्ता को प्राथमिकता दें।

तमिलनाडु में हिंदी के लिए कोई जगह नहीं : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने अतीत में हिंदी-विरोधी आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले राज्य के ''भाषा शहीदों'' की रविवार को सराहना करते हुए कहा कि यहां हिंदी के लिए ''कोई जगह'' नहीं है।

स्टालिन ने 'भाषा शहीद दिवस' के अवसर पर कहा, ''राज्य ने अपनी भाषा से अपने जीवन की तरह प्रेम किया, उसने हिंदी थोपे जाने के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष किया और जब-जब इसे थोपा गया, तब-तब उसी तीव्रता से इसका विरोध किया गया।''

द्रमुक प्रमुख ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''भाषा शहीद दिवस- तमिलनाडु में हिंदी के लिए न तब कोई जगह थी, न अब है और न कभी होगी।'' उन्होंने 1965 में चरम पर पहुंचे हिंदी-विरोधी आंदोलन से जुड़े इतिहास का एक संक्षिप्त वीडियो साझा किया। वीडियो में ''शहीदों'' के साथ-साथ भाषा मुद्दे पर दिवंगत द्रमुक नेताओं सी. एन. अन्नादुरई और एम. करुणानिधि के योगदान का भी उल्लेख किया गया।

स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु ने हिंदी-विरोधी आंदोलन का नेतृत्व कर ''उपमहाद्वीप में विभिन्न भाषाई राष्ट्रीय समूहों के अधिकार और पहचान की रक्षा की।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं उन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जिन्होंने तमिल भाषा के लिए अपने अनमोल प्राण दिए। भाषा युद्ध में अब और कोई जान नहीं जाएगी, तमिल के लिए हमारा प्रेम कभी नहीं मरेगा। हम हिंदी थोपे जाने का हमेशा विरोध करेंगे।''

मुख्यमंत्री ने ''भाषा शहीद'' थलामुथु और नटरासन के स्मारक पर यहां श्रद्धांजलि अर्पित की।

दुनिया भारत को बेंगलूरु के नजरिए से देखती है : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रविवार को कहा कि आज दुनिया बेंगलूरु के नजरिए से भारत को देख रही है, जो देश के विकास और युवाओं में वैश्विक विश्वास को रेखांकित करता है।

दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक से लौटने पर यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, ''भारत सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला देश है। लोगों को इस देश के युवाओं पर बहुत भरोसा है। विश्व नेता बेंगलूरु के नजरिए से भारत को देख रहे हैं। इस शहर में फॉर्च्यून 500 कंपनियों में से अधिकांश के कार्यालय हैं।

शिवकुमार ने कहा कि आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, झारखंड और असम सहित 10 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने कई राज्य सरकारों के प्रमुखों के साथ शिखर सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने कहा, ''65 देशों ने भाग लिया था। एलन मस्क जैसे बड़े कारोबारी भी मौजूद थे। लगभग 100 बैठकें हुईं और नई नीतियों पर चर्चा की गई।'' उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दावोस में हुई चर्चाओं में डेटा सेंटर, वैश्विक दक्षता केंद्र, खाद्य और पेय पदार्थ, विमानन, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और इलेक्ट्रॉनिक्स, और साथ ही 2047 तक भारत में विशेष रूप से बेंगलूरु में शहरीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया।

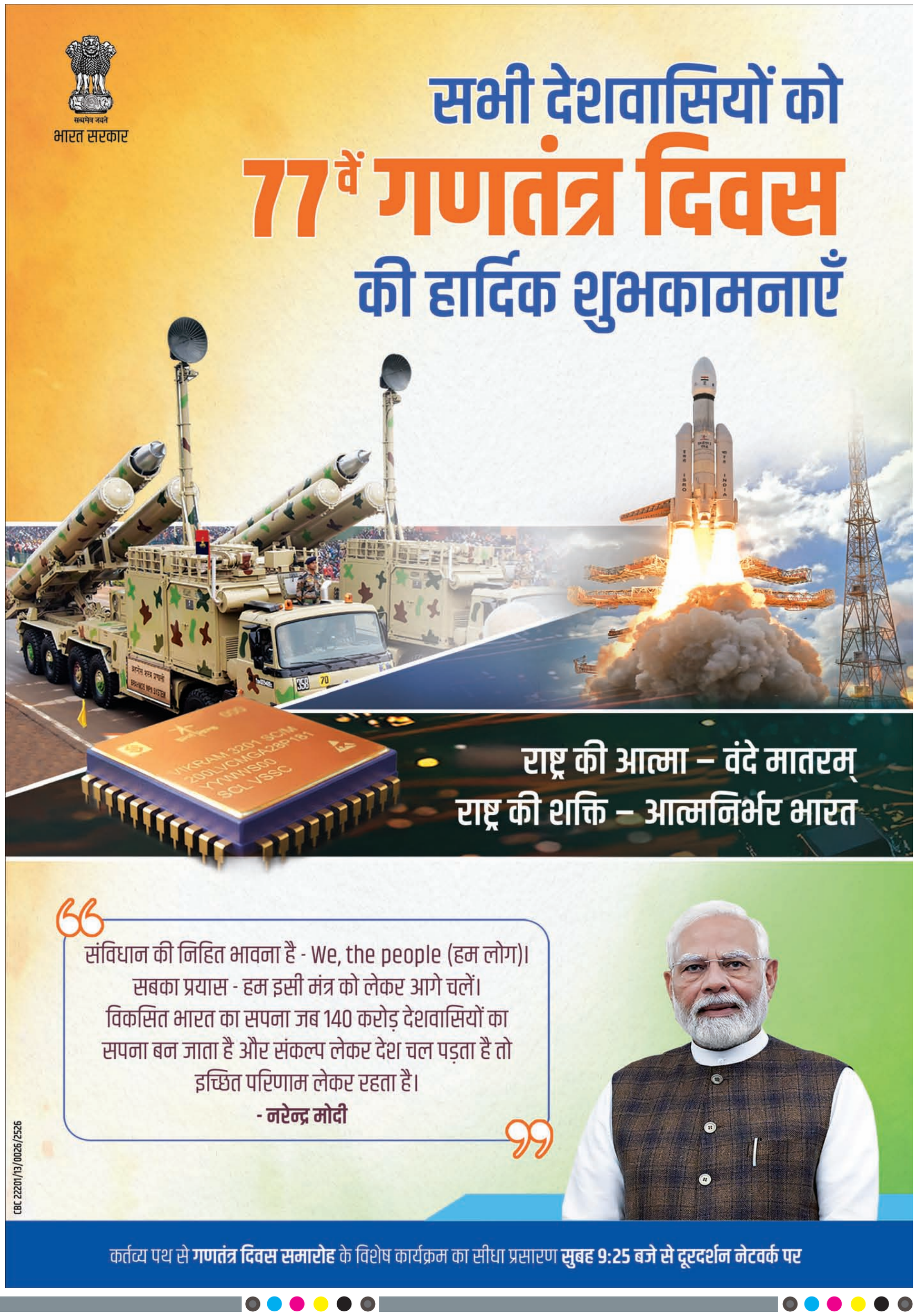

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सफल गणतंत्र

अखिल विश्व को युगों-युगों से,
जिसने दिया ज्ञान उजियारा।
आई कितनी ही बाधाएं,
किंतु नहीं भीतर से हारा।
शांति अहिंसा समरसता का,
जिसने दिया जगत को नारा।
मस्तक ऊंचा करके बोलो,
सफल सबल गणतंत्र हमारा।।

कांग्रेस ने कुछ न कुछ गलत किया है : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि

कथित तौर पर प्रसारित एक अश्लील वीडियो मामले में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का नाम सामने आना ''हतप्रभ करने वाला नहीं है क्योंकि कांग्रेस के सभी लोगों ने कुछ न कुछ गलत किया है''।

मर्यादा कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मंड्या के तेरापंथ महिला मंडल द्वारा 'मर्यादा महोत्सव मर्यादा क्विज चलो खोजें मर्यादा का मर्म' नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य मर्यादाओं के महत्व को समझना और उसे व्यवहार में अपनाने के लिए प्रेरित करना था। मंत्री सरला बोथरा ने मर्यादा क्विज में 4 टीम बनाकर पूरी कार्यशाला का आयोजन किया। किशनलाल आच्छा और चंदनमल बोहरा ने निर्णायक की भूमिका निभाते हुए विजेता टीम को बधाई दी और सम्मानित किया। पुष्पा बाफना ने सभी को धन्यवाद दिया।

संघ में प्राण प्रतिष्ठा का कार्य करता है अनुशासन : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसकोटे। शहर के साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में मर्यादा महोत्सव का आयोजन होसकोटे में किया गया। मर्यादा रैली के साथ श्रावक श्राविका प्रवचन स्थल पहुंचे। साध्वी संयमलताजी ने भिक्षु भक्ति के साथ समाज को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासन बल, सिद्धांत बल, मर्यादा बल, अध्यात्म बल हर संस्था को शक्तिशाली बनाते हैं। अनुशासनयुक्त संघ ही वास्तव में संघ होता है। अनुशासन व मर्यादा संघ में प्राण प्रतिष्ठा का कार्य करता है। मर्यादा पत्र का हर अक्षर आचार्य भिक्षु की तपस्या और उनकी उज्ज्वल आचार निष्ठा की बूँदों से भीगा हुआ है इसलिए वह उनके अनुयायियों में उनके पथ पर चलने की निष्ठा और सामर्थ्य देता है।

साविभाग, समभाग, सौहार्द, व्यवस्था और कला मुक्ति इन पाँच उद्देश्यों के लिए आचार्य भिक्षु ने मर्यादाओं का निर्माण किया जिससे आज भी तेरापंथ एक सुसंगठित एवं अनुशासित धर्मसंघ है। साध्वी मार्दवश्रीजी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि संघ परिवार जीवन में अति महत्वपूर्ण है अनुशासन, जो परिवार के रिश्तों की डोर संभाले रखने वाला सिद्ध होगा।

साध्वी मनीषाप्रभाजी ने कहा कि आचार्य भिक्षु मर्यादा पुरुषोत्तम थे, जिनकी नस-नस में आगमवाणी का स्थान था। साध्वी रौनक प्रभाजी ने विचार व्यक्त किए। ज्ञानशाला के बच्चों व टीसी पाल्या के बच्चों ने सोशल मीडिया जीवन में घातक है विषय पर अपनी प्रस्तुति दी। इस मौके पर होसकोटे व आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में तेरापंथ समाज के सदस्य उपस्थित थे।

शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज ने मनाया सूर्य सप्तमी महोत्सव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज बेंगलूरु द्वारा रविवार को जेपी नगर सूर्य मंदिर में सूर्य सप्तमी महोत्सव अध्यक्ष सुनील शर्मा की अध्यक्षता में हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में प्रातः पंडित श्रेयांश पांडे के सान्निध्य में भगवान भाष्कर का विशेष अभिषेक एवं यज्ञ-हवन हुआ, महामंगला आरती के पश्चात वरघोड़ा निकाला गया। साथ ही समाज के सदस्यों ने विभिन्न वार्षिक बोलियों में बढ़चढ़ कर भाग लिया। सभी लाभार्थियों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में भजन कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। आदित्य महिला मंडल की चंद्रा शर्मा एवं संतोष शर्मा की उपस्थिति में महाप्रसादी का आयोजन हुआ। इस मौके पर शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के अनेक बंधु उपस्थित थे।

संगीत उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के स्वरमेधा संगीत संस्थान द्वारा उत्तरहल्ली स्थित बीजेएस ऑडिटोरियम में 'स्वरमेधा संगीत उत्सव' का आयोजन किया गया जिसमें बी जी श्रीनिवास को स्वरमेधा संगीत रत्न पुरस्कार, विद्वान श्रीधर सागर को स्वरमेधा संगीत विभूषण पुरस्कार, विद्वान साईं विग्नेश को स्वरमेधा संगीत श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रामचंद्र भट्ट कोटेमने, ह्यग्रीव आचार, मारुति मेडिकल्स के प्रमुख महेंद्र मुणोत, पोलू अंकित रेड्डी, डॉक्टर चिन्मय राव आदि उपस्थित थे।

अदाणी समूह, एम्ब्रेयर अगले सप्ताह भारत में वाणिज्यिक विमान बनाने की करेंगे घोषणा

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह और ब्राजील की प्रमुख एयरोस्पेस कंपनी एम्ब्रेयर अगले सप्ताह भारत में नागरिक विमानों के लिए एक 'फाइनल असेंबली लाइन' (विमानों को जोड़ने और तैयार करने की इकाई) स्थापित करने की योजना की घोषणा करेंगे। देश में विमान विनिर्माण के प्रयासों को बढ़ावा देने की दिशा में इसे एक बड़ा कदम माना जा रहा है। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक है। एयरलाइंस द्वारा बेड़े का विस्तार करने और नए हवाई अड्डों के निर्माण के कारण हवाई यातायात की मांग लगातार बढ़ रही है। सूत्रों के अनुसार, अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस और एम्ब्रेयर के अधिकारियों द्वारा 27 जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी में नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू की उपस्थिति में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

गणतंत्र दिवस परेड में अपनी सैन्य शक्ति और विकास यात्रा प्रदर्शित करेगा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत सोमवार को 77वें गणतंत्र दिवस समारोह में अपनी विकास यात्रा, सांस्कृतिक विविधता और सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करेगा। इस दौरान हाल ही में गठित सैन्य इकाइयों के साथ-साथ ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तैनात प्रमुख हथियार प्रणालियों के मॉडल भी प्रदर्शित किए जाएंगे। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन राष्ट्रीय राजधानी में होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे।

कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस समारोह का थीम 'वंदे मातरम के 150 वर्ष' है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस समारोह की अगुवाई करेंगी, जो सुबह 10:30 बजे शुरू होगा और लगभग 90 मिनट तक चलेगा। समारोह की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रीय युद्ध स्मारक जाने से होगी जहां वह शहीदों को पूरे राष्ट्र की ओर से श्रद्धांजलि देने के लिए पुष्पचक्र अर्पित करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और मुख्य अतिथियों के 'पारंपरिक बग्गी' में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने की संभावना है। राष्ट्रपति मुर्मू के साथ उनके अंगरक्षक भी होंगे जो उन्हें सुरक्षा प्रदान करेंगे। करीब 100 सांस्कृतिक कलाकार परेड की शुरुआत करेंगे, जिसका विषय 'विविधता में एकता' होगा। यह परेड संगीतमय वाद्यों का भव्य प्रदर्शन होगी जो देश की एकता और समृद्ध सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करेगी। 129 हेलीकॉप्टर यूनिट के ध्वज फॉर्मेशन में चार एमआई-17 चार हेलीकॉप्टर पुष्प वर्षा करेंगे। इसके बाद परेड की शुरुआत होगी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सलामी लेंगी। परेड का नेतृत्व परेड कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल भावनिश कुमार, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, दिल्ली एरिया करेंगे, जो दूसरे पीढ़ी के अधिकारी हैं।

कश्मीर में ताजा बर्फबारी, श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग आंशिक रूप से बहाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। भारी बर्फबारी के कारण दो दिन से अधिक समय तक बंद रहने के बाद श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग को रविवार को आंशिक रूप से बहाल कर दिया गया। श्रीनगर समेत कश्मीर के कुछ हिस्सों में बृहस्पतिवार सुबह ताजा बर्फबारी हुई जिससे राजमार्ग पर बर्फ हटाने के कार्य में बाधा उत्पन्न हुई। यातायात पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, ''जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग को आंशिक रूप से बहाल कर दिया गया है। नाशरी और नवयुग सुरंगों के बीच फंसे वाहनों को पहले हटाया जा रहा है।''

शुक्रवार को भारी बर्फबारी के कारण सड़क बंद होने के बाद से 270 किलोमीटर लंबे राजमार्ग पर सैकड़ों वाहन फंसे गए थे। श्रीनगर शहर में भी तड़के हल्की बर्फबारी हुई। हालांकि, श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से आने-जाने वाली उड़ानों का संचालन खराब मौसम से प्रभावित नहीं हुआ और तीन उड़ान पहले ही आ चुकी हैं।

यहां भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के एक अधिकारी ने कहा, ''श्रीनगर हवाईअड्डे पर उड़ान परिचालन सामान्य रूप से जारी है।'' अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन सेवाएं भी निर्धारित समयसारणी के अनुसार उपलब्ध हैं।

कश्मीर में हिमपात से जलस्तर बहाल होने में मिलेगी मदद: उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि इस केंद्रशासित प्रदेश में हुई बर्फबारी लोगों के लिए वरदान साबित हुई है, क्योंकि इससे पर्यटकों का आना शुरू हो गया है और जलस्तर भी बहाल होगा। अब्दुल्ला ने कहा कि घाटी में समय पर हुई बर्फबारी से लोगों को फायदा होगा, क्योंकि कम वर्षा से सूखे जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती थी।

मुख्यमंत्री ने उत्तरी कश्मीर में बारामूला जिले के स्कीइंग रिसॉर्ट गुलमर्ग में पत्रकारों से कहा, ''इस बार चिल्ला-ए-कलां में बर्फबारी हुई है, जो अच्छी बात है। लोग (पर्यटक) अब यहां आने लगे हैं, क्योंकि वे बर्फबारी का इंतजार कर रहे थे।'' उन्होंने कहा, ''अगर यह बर्फबारी न होती तो गर्मियों में हमें पानी की कमी का सामना करना पड़ता।'' श्रीनगर समेत कश्मीर के कई हिस्सों में रविवार को फिर से हिमपात हुआ। इसके कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित हो गया। अब्दुल्ला ने बताया कि वह हिमपात के बाद की स्थिति का जायजा लेने के लिए यहां पहुंचे। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा किए गए पुनर्निर्माण कार्यों पर संतोष व्यक्त किया।

बजट में नीतिगत निरंतरता, सीमा शुल्क सुधारों पर ध्यान दे सरकार: स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन

नई दिल्ली/भाषा। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीयूष अरोड़ा का कहना है कि आगामी आम बजट में नीतिगत निरंतरता, अवसंरचना का विकास और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना ऑटोमोबाइल क्षेत्र की रफ्तार बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण होगा।

स्कोडा, फॉक्सवैगन, ऑडी, बेंटले, लैंबॉर्गिनी और पोर्श जैसे छह ब्रांड के भारतीय परिचालन का प्रबंधन करने वाले पुणे स्थित इस समूह ने वैश्विक एकीकरण को समर्थन देने के लिए सीमा शुल्क सुधारों और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के महत्व पर भी जोर दिया।

अरोड़ा ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में कहा कि पिछले साल पेश किए गए जीएसटी सुधारों से घरेलू यात्री वाहन उद्योग में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, उस दृष्टिकोण से, यदि आगामी बजट में इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र के कुछ महत्वपूर्ण शुल्कों से जुड़ी समस्याओं को दूर किया जाता है, तो इससे मदद मिलेगी। हमारे क्षेत्र के लिए नीतिगत निरंतरता के साथ अवसंरचना के विकास और ईवी पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर और अधिक ध्यान देना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अरोड़ा ने कहा कि सीमा शुल्क सुधारों से बहुराष्ट्रीय कंपनियों को निर्यात और आयात दोनों को प्रबंधित करने में मदद मिलेगी।

दिल्ली को देश का आर्थिक केंद्र बनाने की जरूरत: रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में रविवार को अपने पहले संबोधन में कहा कि दिल्ली को देश का सबसे मजबूत आर्थिक केंद्र बनने की जरूरत है।

गुप्ता ने छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) व्यापार समझौते की घोषणा इस सप्ताह होने की उम्मीद है जो दिल्ली के लिए लाभकारी हो सकता है क्योंकि इससे शहर के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र के लिए यूरोपीय संघ के देशों में 45 लाख उपभोक्ताओं तक पहुंचने के द्वार खुल जाएंगे। दिल्ली सरकार गणतंत्र दिवस समारोह हर साल 25 जनवरी को आयोजित करती है।

गुप्ता ने पिछले 11 महीनों में दिल्ली में स्वास्थ्य, शिक्षा, अवसंरचना, कारोबार सुगमता, सामाजिक कल्याण, परिवहन और ग्रामीण विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए अपनी सरकार के कामकाज को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि 'सुरक्षित शहर परियोजना' के तहत दिल्ली सरकार शहर भर में 10,000 उन्नत सीसीटीवी कैमरे लगाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना लागू होने के बाद अब तक 6.5 लाख लोगों का पंजीकरण हो चुका है और 30,000 से अधिक लोगों को इसका लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि सरकार ने शहर में 300 से अधिक आयुष्मान आरोग्य स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में निजी विद्यालयों द्वारा मनमानी फीस वृद्धि पर रोक लगाने के लिए सरकार ने दिल्ली शिक्षा अधिनियम पारित किया जिससे लाखों अभिभावकों और छात्रों को लाभ होगा।

हैदराबाद : फर्नीचर की दुकान की इमारत में आग लगने के बाद दम घुटने से दो बच्चों समेत पांच लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेंलगाना की राजधानी हैदराबाद के नामपल्ली इलाके में फर्नीचर की दुकान की एक चार मंजिला इमारत में आग लगने के बाद ''दम घुटने'' से दो बच्चों और एक बुजुर्ग महिला समेत पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को इमारत में भीषण आग लग गई थी, जिसके बाद इमारत के बेसमेंट में फंसे लोगों को बचाने के लिए बचाव अभियान शुरू किया गया। पुलिस ने बताया, हमें सूचना मिली थी कि पांच लोग लापता हैं। रविवार को इमारत के बेसमेंट में अलग-अलग स्थानों से दो बच्चों और एक बुजुर्ग महिला समेत सभी पांचों के शव बरामद कर लिए गए। जान गंवाने वालों में शामिल अन्य दो पुरुषों की उम्र 30 वर्ष के आसपास थी। वे हैदराबाद के निवासी थे और उसी इमारत में काम करते थे। अधिकारियों ने कहा, ''वे (दोनों कर्मचारी) बच्चों और महिला को बचाने के लिए अंदर गए थे, लेकिन आग के विकराल रूप लेने के कारण बाहर नहीं निकल सके और वहीं फंस गए।'' सात और 11 वर्ष के दोनों बच्चे इमारत के सुरक्षा गार्ड के बेटे थे, जिनका परिवार बेसमेंट में ही रहता था। तेलंगाना के नलगोंडा जिले का निवासी सुरक्षा गार्ड घटना के समय बाहर था और उसकी पत्नी भी किसी काम से बाहर गई हुई थी। साठ-वर्षीय मृत महिला पड़ोसी राज्य कर्नाटक के कलबुर्गी जिले की मूल निवासी थी और इमारत में सफाईकर्मी-सह-सुरक्षाकर्मी के रूप में काम करती थी। वह भी बेसमेंट के एक अन्य कमरे में रहती थी। तेलंगाना के राजस्व मंत्री पी. श्रीनिवास रेड्डी ने मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। उन्होंने घटना पर दुःख जताते हुए कहा कि इसकी गहन जांच कराई जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। तेलंगाना अग्निशमन, आपदा प्रतिक्रिया, आपातकालीन एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के महानिदेशक विक्रम सिंह मान ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मामले में अग्नि सुरक्षा मानकों का घोर उल्लंघन सामने आया है।

नौशेरा से कर्तव्य पथ तक-सीआरपीएफ अधिकारी सिमरन बाला की प्रेरणादायक यात्रा

राजौरी/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा से कुछ ही किलोमीटर दूर स्थित राजौरी के लोग इस गणतंत्र दिवस पर एक विशेष उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए उत्सुक हैं। जिले के एक सीमावर्ती गांव की रहने वाली सिमरन बाला 26 जनवरी को दिल्ली में कर्तव्य पथ पर सीआरपीएफ की एक पुरुष टुकड़ी का नेतृत्व करेंगी। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 26 वर्षीय सहायक कमांडेंट जिले की पहली महिला हैं जिन्होंने देश के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल में अधिकारी रैंक में शामिल होने का गौरव प्राप्त किया है। उनके परिवार ने इस पल को अपार गर्व का क्षण बताया और कहा कि बाला की उपलब्धि ने न सिर्फ उनके परिवार बल्कि पूरे जिले को गौरवान्वित किया है और सीमावर्ती क्षेत्रों के युवाओं, खासकर लड़कियों के लिए प्रेरणा है। उनकी बहन शैल बाला ने कहा, नौशेरा के सीमावर्ती गांव से कर्तव्य पथ तक का उनका सफर चुनौतीपूर्ण रहा है, उन्होंने हम सभी को गौरवान्वित किया है। नौशेरा सेक्टर के उनके गांव में रिश्तेदार और शुभचिंतक परेड से पहले परिवार को बधाई देने के लिए उनके घर आ रहे हैं।

लोग वायु प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य के रूप में बहुत भारी कीमत चुका रहे हैं : राहुल गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि वायु प्रदूषण की वजह से लोगों को स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण का सबसे ज्यादा खामियाजा बच्चे और बुजुर्ग भुगत रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लोगों से वायु प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाने का आग्रह किया। राहुल ने लिखा, हम वायु प्रदूषण की बहुत भारी कीमत चुका रहे हैं-अपने स्वास्थ्य के मोर्चे पर भी और देश की अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर भी। करोड़ों आम भारतीय हर दिन इसका बोझ झेल रहे हैं। उन्होंने कहा, बच्चे और बुजुर्ग इसकी वजह से सबसे ज्यादा पीड़ा सहते हैं। निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी कामगार, जैसे लोग इसकी सबसे बड़ी मार झेलते हैं। राहुल ने कहा कि इस समस्या को सर्दी खत्म होते ही भुला नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, बदलाव की पहली कड़ी है अपनी आवाज उठाना। कांग्रेस नेता ने एक लिंक साझा किया और लोगों से इस पर यह बताने का आग्रह किया कि वायु प्रदूषण ने उन्हें या उनके प्रियजनों को कैसे प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, आपकी आवाज महत्वपूर्ण है और इसे बुलंद करना मेरी जिम्मेदारी है।

भारत, यूरोपीय संघ पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते के लिए प्रतिबद्ध : पीयूष गोयल

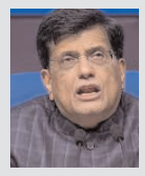

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) दोनों पक्षों की कंपनियों और लोगों की समृद्धि के लिए परस्पर लाभकारी और महत्वाकांक्षी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए प्रतिबद्ध हैं। गोयल ने कहा कि यूरोपीय संघ भारत के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक साझेदार है। मंत्री ने लिखा है, हम अपने व्यवसायों और लोगों की समृद्धि के लिए एक परस्पर लाभकारी और महत्वाकांक्षी भारत-ईयू एफटीए के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता को महत्व देते हैं। यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविच का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पिछले एक साल में हमारे और हमारी टीमों के बीच निरंतर और रचनात्मक जुड़ाव हमें एक फलदायी परिणाम के करीब ले आया है। अन्य अधिकारियों के साथ भारत आए मारोस सेफकोविच ने कहा कि मंत्री गोयल के साथ यह उनकी व्यक्तिगत रूप से 10वीं मुलाकात होगी। उन्होंने लिखा, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि हम एफटीए वार्ता के समापन के करीब हैं।

राजग नेता जगनमोहन के भूमि सुधारों के श्रेय की चोरी करते हैं : वाईएसआरसीपी

अमरावती/भाषा। वाईएसआरसीपी के सांसद एम. गुरुमूर्ति ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेताओं पर आंध्र प्रदेश में पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान लागू किए गए भूमि सुधारों का ''श्रेय लेने'' का आरोप लगाया और कहा कि ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। गुरुमूर्ति ने केंद्रीय मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर पर भूमि स्वामित्व अधिनियम और पुनर्सर्वेक्षण पर विरोधाभासी बयान देने का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसे बयान लोगों को गुमराह करने एवं भ्रम पैदा करने के उद्देश्य से दिए गए। तिरुपति से सांसद गुरुमूर्ति ने शनिवार देर रात जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''राजग गठबंधन को पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के कार्यकाल में शुरू किए गए ऐतिहासिक भूमि सुधारों को लेकर श्रेय चोरी की राजनीति से बचना चाहिए, क्योंकि जनता को गुमराह करने का कोई भी प्रयास केवल उपहास कराएगा।'' उन्होंने कहा कि 'जगनन्ना भू हक्कू-भू रक्षा' कार्यक्रम को केंद्र से प्लेटिनम ग्रेड मिला था, जिसके बाद आंध्र प्रदेश को प्रोत्साहन के रूप में लगभग 400 करोड़ रुपए दिए गए थे।

तमिलनाडु : पुलिस अधिकारियों को सम्मानित करेंगे स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन रविवार को 43 पुलिस अधिकारियों और खुफिया इकाई में एक विशेष शाखा सहायक को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित करेंगे। यह जानकारी रविवार को एक आधिकारिक विज्ञप्ति से मिली।

पुलिसकर्मियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री द्वारा 'खुफिया क्षेत्र में उत्कृष्टता एवं विशेष अभियानों में उत्कृष्टता के लिए पदक' की घोषणा की गई थी। यह पदक प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रदान किया जाएगा।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस वर्ष, मुख्यमंत्री ने गणतंत्र दिवस, 2026 के अवसर पर 43 पुलिस अधिकारियों और खुफिया इकाई में एक विशेष शाखा सहायक को 'खुफिया में उत्कृष्टता एवं विशेष अभियानों में उत्कृष्टता के लिए तमिलनाडु मुख्यमंत्री पदक' प्रदान करने का आदेश दिया है।

प्रत्येक विजेता को 10 ग्राम भार का स्वर्ण पदक एवं 25,000 रुपए नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। विज्ञप्ति में यह भी कहा गया कि ये पदक मुख्यमंत्री द्वारा एक उपयुक्त तिथि पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किए जाएंगे।

टीवीके के लिए 2026 के चुनाव महज चुनावी मुकाबला नहीं, एक लोकतांत्रिक लड़ाई है : विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मामल्लापुरम (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय ने रविवार को आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को महज एक चुनावी मुकाबले के बजाय महत्वपूर्ण ''लोकतांत्रिक लड़ाई'' करार दिया और कहा कि उनकी पार्टी के पास स्थापित राजनीतिक ताकतों को चुनौती देने का सामर्थ्य है। विजय ने टीवीके कार्यकर्ताओं की सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''अब जो होने जा रहा है वह सिर्फ एक चुनाव नहीं है; यह एक लोकतांत्रिक लड़ाई है। आप ही वह सेनापति हैं जो इस लोकतांत्रिक लड़ाई का नेतृत्व करेंगे।''

अभिनेता से राजनीतिक नेता बने विजय ने कहा कि केवल टीवीके में ही वर्तमान में सत्ता में काबिज 'दुष्ट ताकत' और राज्य पर पहले शासन कर चुकी 'भ्रष्ट ताकत' से मुकाबला करने का सामर्थ्य और जज्बा है।

उनका स्पष्ट इशारा सत्ताधारी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और पहले शासन कर चुकी ऑल इंडिया द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की ओर था। उन्होंने कहा, ''दुष्ट ताकत हो या भ्रष्ट ताकत, दोनों को ही तमिलनाडु में शासन नहीं करना चाहिए। केवल हममें ही ऐसी पार्टियों का सच्चे और निडर तरीके से विरोध करने का सामर्थ्य और जज्बा है।''

विजय ने अपने राजनीतिक करियर के मूल उद्देश्य पर जोर देते हुए कहा, ''हम जनता को बचाने और धरती को नुकसान पहुंचाने की मंशा रखने वाले किसी भी व्यक्ति से उनकी रक्षा करने के लिए यहां आए हैं।'' उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी को मिलने वाला समर्थन पारंपरिक राजनीतिक दलों की सीमाओं से आगे है और राज्यभर के घरों में लोग उन्हें परिवार के सदस्य की तरह देखते हैं। साथ ही उन्होंने राजनीतिक ईमानदारी के ऊंचे मानक पर कायम रहने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि हम कभी भी किसी के लिए या किसी चीज के लिए अपनी राजनीति से समझौता नहीं करेंगे।''

विजय ने कहा, जो लोग पहले सत्ता में थे या जो अभी हैं, उनकी तरह मैं भ्रष्टाचार नहीं करूंगा। मैं एक पैसा भी नहीं लूंगा। मुझ पर भ्रष्टाचार का एक दाग तक नहीं लगेगा। उन्होंने राजनीतिक दबाव या राष्ट्रीय दलों के आगे झुकने की अफवाहों को भी खारिज किया।

टीवीके प्रमुख ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकारें भाजपा की गुलाम थीं और मौजूदा द्रमुक सरकार भी आकर्षक घोषणाओं के जरिए दिखावा करते हुए अप्रत्यक्ष रूप से आत्मसमर्पण कर चुकी है।

लेकिन उन्होंने माना कि व्यवस्था को सुधारना एक प्रक्रिया है और इसके लिए ऐसे नेता की जरूरत होती है, जिसे निजी फायदे की चाह न हो। उन्होंने कहा, आप शायद पूछेंगे-क्या यह कोई फिल्म है? क्या यह 'मुधलवन' (जिसमें नायक एक दिन के लिए मुख्यमंत्री बन जाता है) फिल्म जैसा है? क्या वह आकर एक ही दिन में सब कुछ साफ कर देगा? व्यावहारिक रूप से ऐसा संभव नहीं है। यह एक प्रक्रिया है।

टीवीके नेता ने अपने कार्यकर्ताओं को प्रेरित करने के लिए स्वतंत्रता सेनानी रानी वेलु नाच्चियार और उनके सेनापतियों की विरासत का स्मरण किया।

विजय ने पार्टी कार्यकर्ताओं को अग्रिम पंक्ति के योद्धा और सेनापति बताते हुए कहा कि विरोधी भले ही उनकी ताकत को कम आंक रहे हों, लेकिन जनता उन्हें पहले ही स्पष्ट जनादेश देने का मन बना चुकी है। उन्होंने कहा कि दूसरी पार्टियों के लिए बूथ सिर्फ वोट डालने की जगह होते हैं- और कई बार वोट चुराने की भी, लेकिन उनकी पार्टी के लिए बूथ लोकतंत्र के सभागार हैं।

विजय ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना है कि वहां लोकतंत्र की चोरी न हो। हमें हर एक वोट की रक्षा करनी है।'' उन्होंने आने वाले महीनों में पार्टी कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने का आग्रह किया।

सभा में विजय ने अपनी पार्टी के चिह्न 'सीटी' का अनावरण किया और उसे बजाया, जिसमें उत्साहित पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका साथ दिया और उनका उत्साह बढ़ाया।

द्रमुक के लिए 2026 का चुनाव 'आखिरी' होगा : पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव के. पलानीस्वामी ने रविवार को कहा कि जनता के भारी आक्रोश के कारण तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव सत्तारूढ़ द्रमुक के लिए ''आखिरी'' चुनाव होगा।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु एक ''युद्धक्षेत्र'' बन गया है, जहां सरकारी कर्मचारी, शिक्षक, सफाईकर्मी, नर्स जैसे सभी वर्गों के लोग राज्य भर में आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''द्रविड़ मुनेत्र कषगम अब सत्ता में नहीं आएगी। द्रमुक के लिए यह आखिरी चुनाव होगा।'' पलानीस्वामी ने आरोप लगाया कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने 2021 के चुनाव से पहले किए गए अपने चुनावी वादों का एक चौथाई भी पूरा नहीं किया।

तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव इस साल मार्च-अप्रैल में होने की संभावना है।

चेन्नई पेट्रोलियम का तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ बढ़कर 1,001.6 करोड़ रुपए रहा

चेन्नई/भाषा। चेन्नई पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीपीसीएल) ने अक्टूबर-दिसंबर 2025 की तिमाही के लिए 1,001.59 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया है। कंपनी ने रविवार को बताया कि निरंतर बेहतर परिचालन प्रदर्शन के कारण लाभ में यह बढ़ोतरी हुई है। चेन्नई स्थित इस कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 20.78 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की समूह कंपनी सीपीसीएल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ बढ़कर 1,680.85 करोड़ रुपए हो गया है। पिछले वर्ष की इसी अवधि में कंपनी को 255.83 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ था।

तमिलनाडु में हिंदी के लिए न तब कोई जगह थी, न अब है और न कभी होगी : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने अतीत में हिंदी-विरोधी आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले राज्य के ''भाषा शहीदों'' की रविवार को सराहना करते हुए कहा कि यहां हिंदी के लिए ''कोई जगह'' नहीं है।

स्टालिन ने 'भाषा शहीद दिवस' के अवसर पर कहा, ''राज्य ने अपनी भाषा से अपने जीवन की तरह प्रेम किया, उसने हिंदी थोपे जाने के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष किया और जब-जब इसे थोपा गया, तब-तब उसी तीव्रता से इसका विरोध किया गया।'' द्रमुक प्रमुख ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''भाषा शहीद दिवस- तमिलनाडु में हिंदी के लिए न तब कोई जगह थी, न अब है और न कभी होगी।''

उन्होंने 1965 में चरम पर पहुंचे हिंदी-विरोधी आंदोलन से जुड़े इतिहास का एक संक्षिप्त वीडियो साझा किया। वीडियो में ''शहीदों'' के साथ-साथ भाषा मुद्दे पर दिवंगत द्रमुक नेताओं सी. एन. अन्नादुरई और एम. करुणानिधि के योगदान का भी उल्लेख किया गया।

स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु ने हिंदी-विरोधी आंदोलन का नेतृत्व कर ''उपमहाद्वीप में विभिन्न भाषाई राष्ट्रीय समूहों के अधिकार और पहचान की रक्षा की।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं उन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जिन्होंने तमिल भाषा के लिए अपने अनमोल प्राण दिए। भाषा युद्ध में अब और कोई जान नहीं जाएगी, तमिल के लिए हमारा प्रेम कभी नहीं मरेगा। हम हिंदी थोपे जाने का हमेशा विरोध करेंगे।''

मुख्यमंत्री ने ''भाषा शहीद'' थलामुथु और नटरासन के स्मारक पर यहां श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अलावा, उन्होंने शहर में चेन्नई महानगर विकास प्राधिकरण (सीएमडीए) भवन पर उनकी प्रतिमाओं का अनावरण किया। ''भाषा शहीद'' शब्द उन लोगों को संदर्भित करता है जिन्होंने 1964-65 में तमिलनाडु में हिंदी विरोधी आंदोलन के दौरान अपनी जान गंवाई थी। इनमें से अधिकतर ने आत्मदाह किया था।

यह दक्षिणी राज्य आज भी दो भाषा सूत्र-तमिल और अंग्रेजी- का पालन करता है। द्रमुक केंद्र पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के जरिए हिंदी थोपे जाने का आरोप लगाती रही है।

इस बीच, अन्नाद्रमुक (अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम) के प्रमुख ई. पलानीस्वामी और तमिलगा वेट्ट्रि कषगम नेता विजय ने भी ''भाषा शहीदों'' को श्रद्धांजलि अर्पित की।

पलानीस्वामी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''तमिल मां हमारे जीवन के समान है।''

सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

SHRI. JAIGOPAL GARODIA
FOUNDER CHAIRMAN

SWAMI
VIVEKANANDA

JAIGOPAL GARODIA
GROUP OF INSTITUTIONS
U-6, 7th Street, Annanagar, Chennai - 600 040
Ph : 044-2621 3224, 2628 9909, 2620 6261
e-mail : jgvvan@gmail.com | web : www.jaigopalgarodia.org
"EDUCATION FOR ALL IS MY VISION AND GOAL TO INSTILL NATIONALISM AND PATRIOTISM AND MAKE BHARAT STRONG AND GLORIOUS".
-JAIGOPAL GARODIA

तमिलनाडु में कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना

चेन्नई/भाषा। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने तमिलनाडु में कई स्थानों पर रविवार को भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की तथा राज्य की राजधानी चेन्नई एवं इसके आसपास के इलाकों में गरज एवं बिजली चमकने के साथ मध्यम बारिश होने की संभावना जताई।

चेन्नई स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) की दैनिक मौसम रिपोर्ट के अनुसार, चेंगलपट्टू, तिरुवनमलाई, सेलम, नमक्कल, कल्लकुरुची, विल्लुप्पुरम, कुड्डालोर, तंजावुर और रामनाथपुरम जिलों के साथ-साथ पुडुचेरी में भी कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

अगले 24 घंटों तक आसमान में मुख्यत: बादल छाए रहने की संभावना है। कुछ क्षेत्रों में गरज और बिजली चमकने के साथ हल्की बारिश हो सकती है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 28-29 डिग्री सेल्सियस और 22-23 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

मौसम विभाग ने कहा कि तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है तथा उत्तर तटीय तमिलनाडु के कुछ स्थानों पर भी बारिश होने का अनुमान है। इसने कहा कि राज्य के अलग-अलग इलाकों में 26 जनवरी तक न्यूनतम तापमान सामान्य से दो-तीन डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है। पिछले 24 घंटों में कोयंबटूर में न्यूनतम तापमान 18.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि उधगमंडलम (ऊटी) में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस रहा। इस अवधि में चेन्नई (नुंगमबक्कम) में 9.3 मिमी और मीनांबक्कम में 4.7 मिमी बारिश हुई। राज्य में सामान्य 10.8 मिमी के मुकाबले एक जनवरी से कुल 26 मिमी बारिश दर्ज की गई है। तमिलनाडु तट, मन्नार की खाड़ी और कोमोरिन क्षेत्र में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। मछुआरों को 25 जनवरी को इन क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी गई है।

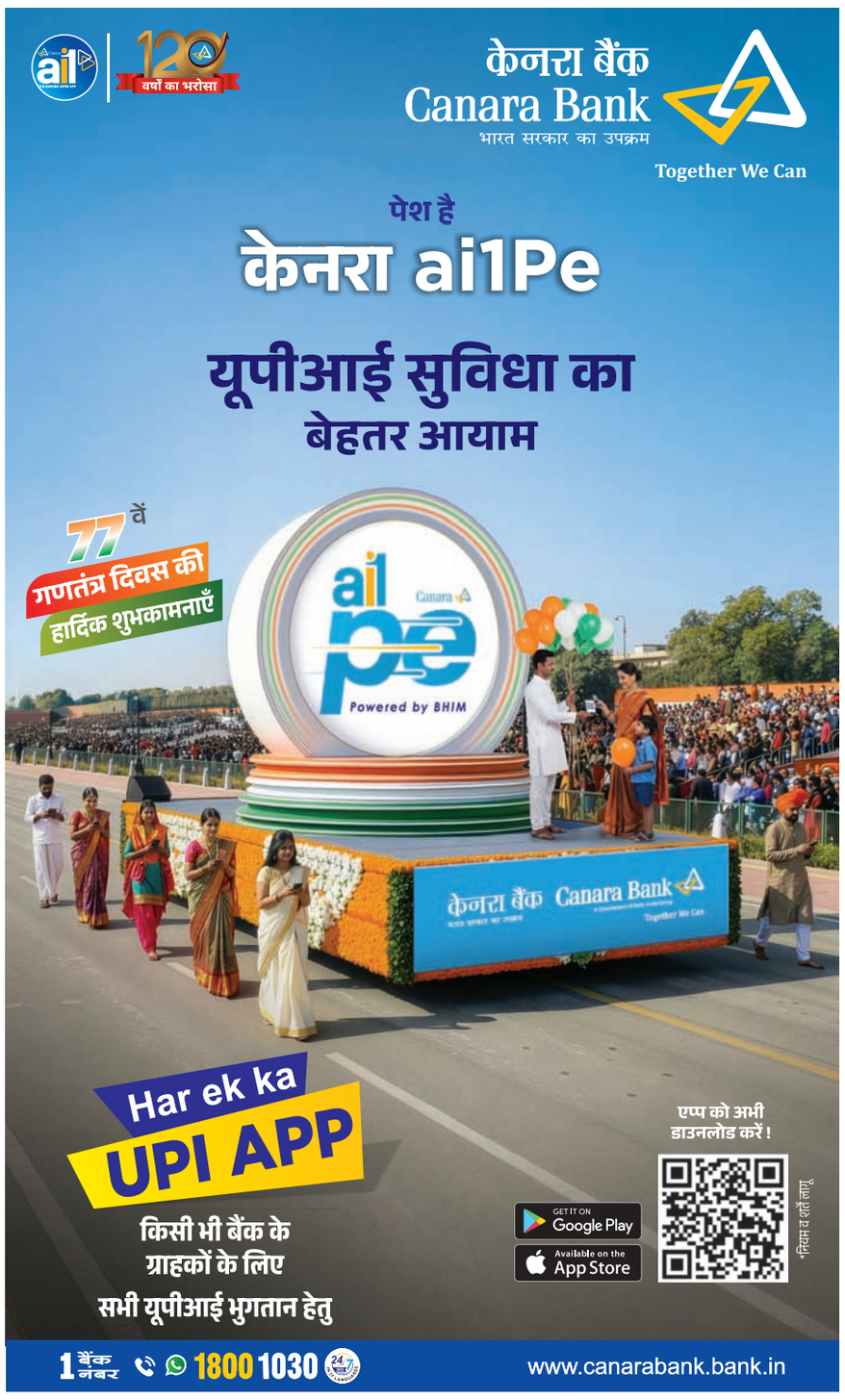

सीईओ ने युवा मतदाताओं से गलत सूचनाओं से सतर्क रहने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी/भाषा। पुडुचेरी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) पी. जवाहर ने रविवार को पहली बार मतदान करने वाले और युवा मतदाताओं से चुनाव के दौरान सोशल मीडिया पर फैलने वाली गलत सूचनाओं के प्रति सतर्क रहने की अपील की। 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जवाहर ने निष्पक्ष चुनाव कराने की चुनौतियों पर प्रकाश डाला और युवा मतदाताओं से भ्रामक सामग्री के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया।

उपस्थित लोगों को अपने मतदान में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस वर्ष के समारोह की थीम 'माय इंडिया, माय वोट' रही। सीईओ ने कहा कि पुडुचेरी में चुनाव के दौरान नकद के बदले वोट (कैश-फॉर-वोट) एक गंभीर समस्या है। उन्होंने कहा, मतदाताओं को किसी भी कीमत पर 'कैश-फॉर-वोट' का शिकार नहीं होना चाहिए और बिना समझौता किए इसका विरोध करना चाहिए। उन्होंने चेताया कि यदि मतदाता नकद के लालच में वोट देते हैं तो वे बुनियादी सुविधाओं की मांग करने का नैतिक अधिकार खो देते हैं। जवाहर ने मतदाता सूची के (एसआईआर को अभूतपूर्व प्रक्रिया बताते हुए कहा कि चुनावी कार्य कई चुनौतियों के बीच संपन्न किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर को लागू करने में तैनात अधिकारी अहम भूमिका निभाते हैं और उन्हें प्रक्रिया की शुचिता से समझौता किए बिना अपने दायित्व निभाने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा पुडुचेरी में बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) और अन्य कर्मचारियों के कार्य की नई दिल्ली में समीक्षा बैठकों के दौरान लगातार सराहना की गई है। उन्होंने युवा और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से केंद्र शासित प्रदेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने में ईमानदारी से भाग लेने की अपील की। जवाहर ने बताया कि निर्वाचन विभाग ने युवा मतदाताओं के नामांकन पर विशेष जोर दिया है और 1 जनवरी 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं को फॉर्म-6 के माध्यम से पंजीकरण के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

कार्यक्रम को पुडुचेरी के जिला निर्वाचन अधिकारी ए. कुलोथुंगन ने भी संबोधित किया। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेश में कुल 10.2 लाख मतदाताओं में से 9.18 लाख मतदाताओं यानी 89.87 प्रतिशत ने गणना प्रपत्र जमा किए जो मतदाता सूची पुनरीक्षण में व्यापक जनभागीदारी और सहयोग को दर्शाता है।

तमिलनाडु में निजी बस ने खड़ी बस को मारी टक्कर, तीन लोगों की मौत, 15 घायल

मदुरै (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु में मदुरै के मेलूर के पास रविवार तड़के एक निजी बस के दूसरी खड़ी बस से टकरा जाने से दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई और 15 से अधिक अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह दुर्घटना त्रिची-मदुरै राष्ट्रीय राजमार्ग पर पल्लापत्ती में हुई, जो कोट्टमपत्ती पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, चेन्नई से मदुरै आ रही एक निजी बस पल्लापत्ती उपनगरीय क्षेत्र में सड़क किनारे स्थित एक चाय की दुकान पर रुकी थी। सूत्रों के अनुसार उसका चालक बस से थोड़ी दूर था, तभी चेन्नई से मार्तंडम जा रही एक अन्य निजी बस के चालक ने वाहन पर से अपना अनियंत्रित खो दिया जिससे वाहन खड़ी बस के पिछले हिस्से से टकरा गया। सूत्रों ने बताया कि इस टक्कर के परिणामस्वरूप तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। सूत्रों ने बताया कि उनकी पहचान कनगरंजितम (65), सुदर्शन (23) और एक अज्ञात महिला यात्री के रूप में की गई है। दोनों बसों में सवार 15 से अधिक यात्री घायल हो गए। स्थानीय निवासी घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव कार्य में सहायता की। सूत्रों ने बताया कि घायलों को एम्बुलेंस और निजी वाहनों द्वारा मेलूर और मदुरै के सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए ले जाया गया।

प्रधानमंत्री द्वारा रामसर के जिक्र से प्रदेश के अन्नदाताओं के परिश्रम को मिला सम्मान : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम की '130वीं कड़ी' में देशवासियों को संबोधित किया। वर्ष 2026 में इस कार्यक्रम का यह पहला संस्करण था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सांगानेर स्थित कैम्प कार्यालय में आमजन के साथ मन की बात कार्यक्रम सुना। मोदी ने अपने संबोधन में देशवासियों को गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) की शुभकामनाएं देते हुए संविधान निर्माताओं को नमन किया और राष्ट्रीय मतदाता दिवस (25 जनवरी) पर युवाओं से 18 वर्ष की आयु पूरी होने पर मतदाता पंजीकरण कराने तथा पहली बार वोटर बनने को उत्सव की तरह मनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मतदाता लोकतंत्र की आत्मा होता है और राष्ट्रीय मतदाता दिवस देश के लोकतंत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है।

प्रधानमंत्री ने 'स्टार्टअप इंडिया' की 10 वर्षों की यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। उन्होंने उद्योग व स्टार्टअप जगत से जुड़े युवाओं से आग्रह किया कि अब देश की सबसे बड़ी प्राथमिकता क्वालिटी होनी चाहिए और 'जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट' के संकल्प के साथ भारतीय उत्पादों को वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट बनाना होगा।

मोदी ने जनभागीदारी एवं सामूहिकता को देश की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए आजमगढ़ (उत्तरप्रदेश) में तमसा नदी पुनर्जीवन, अनंतपुर (आंध्रप्रदेश) में जलाशयों के पुनरुद्धार, अन्य स्थानों पर स्वच्छता अभियानों, पर्यावरण संरक्षण तथा 'एक पेड़ मां के नाम' जैसे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज के युवा अपने अनुभवों और जीवनशैली में भक्ति की भावना को शामिल कर रहे हैं। मोदी ने विदेशों में भारतीय समुदाय द्वारा संस्कृति संरक्षण और मलेशिया के भारतीय समाज के कार्यों की भी प्रशंसा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में श्रीअन्न (मिलेट्स) के बढ़ते महत्व पर चर्चा करते हुए राजस्थान के रामसर के किसानों के नवाचारों को सराहा। उन्होंने कहा कि रामसर ऑर्गेनिक फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनी से 900 से अधिक किसान जुड़े हैं। ये किसान मुख्य रूप से बाजरे की खेती करते हैं और बाजरे को प्रोसेस करके रेडी-टू-ईट लड्डू तैयार किया जाता है, जिसकी बाजार में बडी डिमांड है। इसके साथ ही उन्होंने तमिलनाडु की महिला किसानों की भी सराहना की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संबोधन आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा देता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में देशभर में 200 करोड़ पौधे लगाए जाने का जिक्र किया है। राजस्थान में भी हमारी सरकार ने इस अभियान से प्रेरणा लेकर 5 वर्ष में 50 करोड़ पौधे लगाने का संकल्प किया है। हमने पिछले वर्ष लगभग 7 करोड़ और इस वर्ष लगभग 12 करोड़ पौधे लगाकर कुल 19 करोड़ से अधिक पौधरोपण किया है।

शर्मा ने कहा कि रामसर के किसानों द्वारा श्रीअन्न (बाजरा) को प्रोसेस कर रेडी-टू-ईट उत्पाद तैयार करना, उनकी मेहनत, नवाचार और आत्मनिर्भरता का उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रधानमंत्री जी का यह उल्लेख राजस्थान के अन्नदाताओं के परिश्रम को राष्ट्रीय मंच पर सम्मान देने जैसा है। उन्होंने विश्वास जताया कि श्रीअन्न आधारित नवाचारों से प्रदेश में किसानों की आय बढ़ेगी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त होगी और स्वस्थ राजस्थान-समृद्ध राजस्थान के संकल्प को नई गति मिलेगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

लोग चुनावों में सक्रिय भागीदारी कर मतदाता प्रतिशत बढ़ाएं : राज्यपाल बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शनिवार को देश के लोकतांत्रिक और संवैधानिक ढांचे को मजबूत करने के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने नागरिकों से चुनावों में सक्रिय भागीदारी कर मतदाता प्रतिशत बढ़ाने की अपील की। राज्यपाल ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर माय इंडिया, माय वोट विषय पर राज्यस्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत एक अरब से अधिक मतदाताओं के साथ सहिष्णुता की संस्कृति में निहित विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। उन्होंने लोकतंत्र को और सशक्त बनाने के लिए निरंतर मतदाता जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया। बागड़े ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में मतदाता प्रतिशत बढ़ाने के महत्व को रेखांकित किया।

उन्होंने चुनावी खर्च कम करने के लिए एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था पर विचार करने की बात कही। राज्यपाल ने कहा, बचत को राष्ट्रीय विकास में उपयोग किया जा सकता है। बागड़े ने देश की चुनावी यात्रा को याद करते हुए कहा कि स्वतंत्रता के बाद पहला आम चुनाव 1952 में अलग-अलग रंग के बैलेट बॉक्स का उपयोग करके हुआ था जबकि तकनीकी प्रगति ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के माध्यम से मतदान को सरल, पारदर्शी और मतदाता-हितैषी बना दिया है। उन्होंने राज्यभर में विशेष गहन पुनरीक्षण में बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) की भूमिका की सराहना की और कहा कि राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ निर्वाचन आयोग की त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया ने सभी स्तरों पर पारदर्शिता सुनिश्चित की है। इससे पहले, राज्यपाल ने इस अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी का दौरा किया। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 पर आधारित एक वृतचित्र भी जारी की, जिसमें अभियान की यात्रा को प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारियों और बीएलओ ने अपने क्षेत्रीय अनुभव साझा किए। राज्यपाल ने चुनाव संबंधी कार्यों में उत्कृष्ट योगदान के लिए 79 अधिकारियों और कर्मचारियों को राज्यस्तरीय पुरस्कार प्रदान किए।

राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में 108 सामूहिक सूर्य नमस्कार से योगमय हुआ जयपुर का अल्बर्ट हॉल परिसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शहर की कड़कड़ाती सुबह रविवार को एक विशेष ऊर्जा से भर उठी, जब रामनिवास बाग स्थित अल्बर्ट हॉल परिस, जयपुरर योग का केंद्र बन गया। क्रीड़ा भारती के तत्वावधान में 108 सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बड़ी संख्या में उपस्थित खिलाड़ियों, योग साधकों, युवाओं और सम्माननीय नागरिकों के साथ सूर्य नमस्कार किया। इस अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े पोस्टर का विमोचन भी किया। क्रीड़ा भारती ने इस आयोजन को शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक और आत्मिक स्वास्थ्य को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम में अनुशासन, सकारात्मक ऊर्जा और सामूहिक सहभागिता का सुंदर दृश्य देखने को मिला। योग कार्यक्रम के उपरांत कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ वॉर्ड 47, झोटवाड़ा में आयोजित एक बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान स्थानीय नागरिकों और कार्यकर्ताओं के साथ क्षेत्रीय समस्याओं, विकास कार्यों और जनहित के मुद्दों पर चर्चा की गई। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने झोटवाड़ा के वॉर्ड 54 स्थित अग्रसेन भवन, इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 130वें संस्करण का सामूहिक श्रवण किया। इस अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने भारतीय जनता पार्टी के समस्त कर्मठ कार्यकर्ताओं को गणतंत्र दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि देश नागरिकों से बनता है और जब हर देशवासी मजबूत होगा, तभी एक सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि मन की बात में मोदी जी अक्सर मानवीय स्पिरिट और आत्मशक्ति की चर्चा करते हैं, जो चुनौतियों को परास्त कर आगे बढ़ती है। यह आत्मशक्ति हर नागरिक में होती है और यही शक्ति मिलकर राष्ट्र की शक्ति बनती है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय सद्भाव का दिवस है। लोकतंत्र हमारा सशक्त ढांचा है और इस ढांचे में जनप्रतिनिधियों की अलग-अलग जिम्मेदारियां होती हैं। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधान और पार्षद लोकतंत्र की पहली और मजबूत कड़ी है और हमारी कोशिश रहती है कि हम इस शक्ति से हमेशा जुड़े रहें और इन्हें कभी विकास कार्यों के लिए आर्थिक तौर पर कभी ही कोई कमी न पड़े। अजमेर हाईवे की 200 फीट सेक्टर रोड जो कालवाड़ को जोड़ेगी, उस पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही मॉडल पार्क के लिए भी बजट स्वीकृत हो चुका है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि बिजली की कमी दूर करने के लिए नए ग्रिड स्टेशन की स्थापना हेतु स्थान चिन्हित करने का कार्य चल भी तेजी से चल रहा है। प्रदेश के किसानों को अब दिन में भी बिजली मिल रही है। रविवार को ही कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने वॉर्ड 56 के गिरधारीपुरा स्थित पंपिंग हाउस का स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की। करीब छ1.56 करोड़ की लागत से पंप हाउस में हो रहे नवीन सुविधाओं के विस्तार कार्यों का उन्होंने जायजा लिया। इस दौरान जलदाय विभाग के अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि क्षेत्रवासियों को बेहतर जलापूर्ति सुविधाएं मिल सकें।

राजस्थान के कोटपूतली-बहरोड़ में युवक-युवती के शव मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कोटपूतली-बहरोड़ जिले के एक होटल में युवती-युवती के शव मिलने की घटना सामने आई है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला प्रतीत होता है। पुलिस के अनुसार यह घटना बहरोड़ थाने के कांकर दोपा गांव के पास स्थित गणगौर मिडवे होटल में हुई। मृतकों की पहचान इंद्र मीणा (20) और मंजू धानका (19) के रूप में हुई है। ये दोनों नारायणपुर इलाके के अजबपुरा गांव के रहने वाले थे। बहरोड़ के पुलिस उपाधीक्षक सचिन शर्मा ने बताया कि शनिवार दोपहर को पुलिस को सूचना मिली कि एक होटल के कमरे में युवक-युवती के शव फंदे पर लटके मिले हैं।

उन्होंने कहा, पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। एफएसएल टीम को भी बुलाया गया और कमरे से नमूने लिए गए। पुलिस के अनुसार इन दोनों ने 22 जनवरी को होटल में कमरा लिया था। शनिवार सुबह इंद्र का एक दोस्त उनसे मिलने आया। बार-बार दरवाजा खटखटाने पर भी कोई जवाब नहीं मिला तो उसने अंदर देखा और दोनों को लटका हुआ पाया। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और बाद में शाम को संबंधित परिवारों को सौंप दिया गया।

राजस्थान में ठंड का प्रकोप जारी, नागौर में तापमान शून्य से नीचे 1.3 डिग्री सेल्सियस रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कई हिस्सों में रविवार को भीषण ठंड का दौर जारी रहा, जहां नागौर में उत्तरी हवाओं के प्रभाव से न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 1.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो राज्य में सबसे कम था। भारत मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी के जयपुर केंद्र के अनुसार, तापमान में फिलहाल बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। हालांकि, शेखावाटी क्षेत्र और राज्य के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में कहीं-कहीं शीतलहर की स्थिति बनी रह सकती है।

इसने बताया कि 26 और 27 जनवरी को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है जिसके प्रभाव से 26 जनवरी को दोपहर बाद पश्चिमी और उत्तरी राजस्थान के कुछ इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। आईएमडी ने कहा कि 27 जनवरी को पश्चिमी विक्षोभ का अधिक प्रभाव देखने को मिल सकता है और बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, जोधपुर, कोटा और अजमेर संभागों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज किए जाने की संभावना है। तापमान के आंकड़ों के अनुसार, चित्तौड़गढ़ में अधिकतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नागौर में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 1.3 डिग्री, फतेहपुर में 0.7 डिग्री, पाली में एक डिग्री, लूणकरणसर में 1.3 डिग्री, दौसा में 1.7 डिग्री, झुंझुनू में 2.3 डिग्री और चूरू में 2.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

राज्य के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। राज्य की राजधानी जयपुर में रविवार सुबह न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के कुछ हिस्सों में कड़ाके की ठंड के साथ शीतलहर की स्थिति दर्ज की गई।

जुलूस

अजमेर में रविवार को मुस्लिम समुदाय के लोग त्योहार के दो दिन बाद 'बसंत पंचमी' मनाने के लिए अजमेर शरीफ दरगाह, अजमेर में एक धार्मिक जुलूस निकालते हुए।

उद्घाटन

विद्याधर नगर विधानसभा के मुरलीपुरा में दादी का फाटक स्थित राजस्थान आई हॉस्पिटल लेज़र एंड रेटीना सेंटर का उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने उद्घाटन किया।

'स्टोन मार्ट' में पत्थरों की किस्मों की लगायी जाएगी प्रदर्शनी

जयपुर। राजस्थान का खान, भू-विज्ञान एवं पेट्रोलियम विभाग जयपुर में 'स्टोन मार्ट' में अलग-अलग प्रकार के पत्थरों की विविधता, गुणवत्ता और विश्वव्यापी पहचान को प्रभावी तरीके से प्रदर्शित करेगा। विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकांत ने खनिज भवन में 'स्टोन मार्ट' की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया, राजस्थान खनिजों और खासतौर से पत्थरों की दृष्टि से विश्व में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। राजस्थान में विश्वविख्यात संगमरमर, ग्रेनाइट, कोटा स्टोन, क्वार्टजाइट की अनेक किस्म होने के साथ ही बलुआ पत्थर की भी अपनी पहचान है। हरा, काला रोजी पिंक, सफेद ग्रेनाइट सहित ग्रेनाइट की ही कई किस्म उपलब्ध हैं।

टी. रविकांत ने बताया कि 'स्टोन मार्ट' में खान व 'राजस्थान राज्य खान एवं खनिज लिमिटेड' के मंडप में 40 से अधिक तरह के पत्थर प्रदर्शित किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि देश-विदेश के प्राचीन व आधुनिक विश्वख्यात धरोहरों में राजस्थान के पत्थरों का उपयोग सदियों से किया जाता रहा है। अधिकारी ने बताया कि राम मंदिर, ताजमहल, संसद भवन सहित ख्यातनाम भवनों में राजस्थान के पत्थर का उपयोग होता आ रहा है। राम मंदिर के निर्माण में बंशी पहाड़पुर के बलुआ पत्थर का उपयोग किया गया है।

युवा मताधिकार के साथ राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का भी करें बोध : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर सांगानेर स्थित कैम्प कार्यालय में नव मतदाताओं का सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि युवा राष्ट्र के निर्माता होने के साथ ही भविष्य के कर्णधार भी हैं।

वे अपने मताधिकार का उपयोग करने के साथ ही राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का भी बोध करें। शर्मा ने कहा कि नव मतदाता यह विचार करें कि हमारे देश और प्रदेश का स्वरूप कैसा हो, क्योंकि प्रत्येक वोट देश और प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में नव मतदाता बनने के अवसर को उत्सव के रूप में मनाने का आह्वान किया है, क्योंकि यह हमें लोकतंत्र की महानता और श्रेष्ठता का अहसास करवाता है। उन्होंने कहा कि हमें इस बात का दायित्वबोध होना आवश्यक है कि हम हमारे जीवन को क्या दिशा देंगे।

शर्मा ने कहा कि युवा राष्ट्र को सर्वोपरि मानते हुए स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों को आत्मसात करे और हमारे पूर्वजों के बलिदान से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले दो वर्ष में युवाओं के हित में कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान ने नसीराबाद में ब्रिगेड की तैयारी का लिया जायजा

अजमेर/दक्षिण भारत । लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान ने रविवार को नसीराबाद मिलिट्री स्टेशन का दौरा कर वहां तैनात लॉजिस्टिक यूनिटस की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ड्रोन तकनीक के उपयोग, प्रशिक्षण व्यवस्था और जवानों के कल्याण से जुड़े पहलुओं पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों और सैनिकों से भविष्य की चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार रखने और आधुनिक तकनीक को तेजी से अपनाने का आह्वान किया। दरअसल, दक्षिणी कमान भारतीय सेना ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर जानकारी दी कि लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान, वाईएसएम, एसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग सुदर्शन चक्र कोर, ने रविवार को नसीराबाद मिलिट्री स्टेशन का दौरा किया। यहां उन्होंने 'सबसे बेहतर ब्रिगेड' की तैयारी का जायजा लिया, जो फर्स्ट टू स्ट्राइक ब्रिगेड का हिस्सा है। इसके साथ ही लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान ने कुछ अहम लॉजिस्टिक यूनिटस का भी निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्हें ऑपरेशनल जिम्मेदारियों, ट्रेनिंग के खास पहलुओं, आधारभूत संरचना के सुधार और जवानों की भलाई से जुड़ी योजनाओं की पूरी जानकारी दी गई।

इसके बाद जनरल चौहान ने एक कैपेबिलिटी डेवलपमेंट कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता की, जिसमें सुदर्शन चक्र कोर के सभी फॉर्मेशन कमांडर मौजूद थे। उन्होंने इस मौके पर ड्रोन जैसी अनमैन्ड एरियल सिस्टम्स (यूएएस) और इनके काउंटर-यूएएस सिस्टम्स की अहमियत पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि रिपेयर और रीजेनरेशन की व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए, ताकि तकनीक का सही इस्तेमाल हो सके। उन्होंने ट्रेनिंग के लिए भी बेहतर सुविधाएं विकसित करने पर जोर दिया।

उत्तर प्रदेश, देश की अर्थव्यवस्था का संबल बन रहा : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से उत्तर प्रदेश 'बीमारू' राज्य की छवि को पीछे छोड़ते हुए आज भारत की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत संबल बन रहा है।

मथुरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का उत्तर प्रदेश के पहले दौरे पर हार्दिक स्वागत किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि नितिन नवीन का (पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद) पहला दौरा योगेश्वर श्रीकृष्ण की पवित्र भूमि मथुरा में हुआ है। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश की जनता और राज्यभर के भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष का हार्दिक स्वागत करता हूं और उन्हें बधाई देता हूं।

मुख्यमंत्री ने नितिन नवीन को युवा ऊर्जा और संगठनात्मक शक्ति का प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के पाटलिपुत्र से पांच बार विधायक रह चुके नवीन ने भाजपा में विभिन्न संगठनात्मक दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ किया है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मथुरा और इसके आसपास के क्षेत्रवृंदावन, बरसाना, गोकुल, गोवर्धन, नंदगांव और बलदेव सदियों से सनातन धर्म के अनुयायियों के लिए प्रेरणा के केंद्र रहे हैं। उन्होंने कहा, इस भूमि का हर कण श्रीकृष्ण और राधा रानी की आध्यात्मिक विरासत को अपने भीतर समेटे हुए है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यह जिला भारतीय जनता पार्टी के विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मभूमि होने के कारण भी विशेष महत्व रखता है।

'डबल इंजन' सरकार के तहत हुए विकास का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब ''बीमारू'' राज्य नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बन गया है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, सरकार ने प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित की है और बिना किसी भेदभाव के कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया है, जिससे किसान, युवा, महिलाएं और गरीब समान रूप से लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए गांवों से लेकर शहरों तक विकास कार्य प्रभावी ढंग से किए जा रहे हैं।

चुनाव आते ही बांटने-काटने वाली ताकतें सक्रिय हो जाती हैं : नितिन नवीन

मथुरा (उप्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी कार्यकर्ताओं से 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने का आह्वान करते हुए रविवार को कहा कि चुनाव आते ही ''बांटने और काटने वाली ताकतें'' सक्रिय हो जाती हैं और उनसे राजनीतिक रूप से लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए।

यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को सतर्क करते हुए कहा, ''देश में ऐसी ताकतें काम कर रही हैं जो बांटने और काटने में विश्वास रखती हैं, संविधान का अपमान करती हैं। ऐसी ताकतें चुनाव आते ही सक्रिय हो जाती हैं और संविधान की दुहाई देने लगती हैं। हमें उनसे राजनीतिक रूप से लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए।''

उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सनातन परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सनातन धर्म के प्रत्येक अनुयायी को इस बात पर गर्व है कि ऐसी सरकार बनी है।

त्रिपुरा: टीएमपी से सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने के बजाय रिपोर्ट कार्ड पेश करने का साहा का आग्रह

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने रविवार को भाजपा की सहयोगी टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) से आग्रह किया कि वह सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काने के बजाय अपने 'रिपोर्ट कार्ड' के साथ मतदाताओं के बीच जाये। भाजपा इस पूर्वोत्तर राज्य में सत्तारूढ है तथा उसे टीएमपी और 'इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी)' का समर्थन प्राप्त है। टीएमपी त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) में भी सत्तासीन है। सेपाहिजाला जिले के बिश्रामगंज में 'मन की बात' कार्यक्रम से संबंधित एक सभा में मुख्यमंत्री ने कहा, ''बहुत से लोग भाजपा की वास्तविक ताकत को नहीं समझते हैं, जिसके संरक्षक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जैसे लोग हैं।''

उन्होंने कहा, ''हमने भूमिगत गतिविधियों में शामिल लोगों को मुख्यधारा में वापस लाने के प्रयास किए, लेकिन ऐसा लगता है कि उन्होंने अभी तक अपनी सोच और भाषा नहीं बदली है। हद से ज्यादा चालाकी अच्छी नहीं होती।'' उनका यह बयान विद्रोही से सांसद बने रंजीत देबबर्मा पर निशाना समझा जा रहा है। कभी प्रतिबंधित 'ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ)' का नेतृत्व कर चुके देबबर्मा ने 'त्रिपुरा सिविल सोसाइटी' के नाम पर राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया था, जो पिछले साल धलाई जिले के शांतिरबाजार में एक खूनी झड़प में बदल गया था।

गणतंत्र दिवस लोकतंत्र, संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता का महान उत्सव : राज्यपाल पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर प्रदेशवासियों सहित समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी और कहा कि यह भारतीय लोकतंत्र, संवैधानिक मूल्यों व राष्ट्रीय एकता का महान उत्सव है।

लोकभवन द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, राज्यपाल ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में कहा कि गणतंत्र दिवस भारतीय लोकतंत्र, संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता का महान उत्सव है। उन्होंने कहा, यह पर्व हमें भारतीयता के उस गौरवपूर्ण स्वरूप का स्मरण कराता है, जो हमें विविधता में एकता के सूत्र में बांधता है। पटेल ने कहा, हमारा संविधान न केवल प्रत्येक नागरिक को अधिकार प्रदान करता है, बल्कि हमें अपने कर्तव्यों का भी निरंतर बोध कराता है। राज्यपाल ने कहा, भारतीय लोकतंत्र की शक्ति उसकी विविधता, सहिष्णुता और सहभागिता में निहित है। इन्हीं मूल्यों के बल पर भारत आज विकास के प्रत्येक क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

उन्होंने कहा, गणतंत्र दिवस हमें संविधान की गरिमा, उसकी शक्ति और हमारे दायित्वों को समझने तथा आत्मसात करने की प्रेरणा देता है।

राज्यपाल ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे इस अवसर पर संविधान निर्माताओं के आदर्शों एवं महापुरुषों के सपनों को साकार करने का संकल्प लें तथा एकजुट होकर आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाएं।

बंगाल में 'गंभीरा' नर्तक बदलती परिस्थितियों में स्वदेशी कला को बचाए रखने के लिए जूझ रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। प. बंगाल में दक्षिण दिनाजपुर जिले के खगैल गांव में रहने वाले 57 वर्षीय माधव सरकार युवाओं की घटती भागीदारी और सोशल मीडिया रीलों की बढ़ती लोकप्रियता जैसी चुनौतियों के बीच 'गंभीरा' नृत्य को जीवित रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

यह मुखौटा नृत्य एक लोक कला है जो रीति-रिवाजों और कहानी के जरिये प्रस्तुत किए जाने पर आधारित है। क्षेत्र में लगभग 20 सदस्यों वाले गंभीरा नृत्य मंडली का नेतृत्व करने वाले सरकार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि वे दशकों से इस कला का अभ्यास कर रहे हैं, लेकिन बदलते हालात ने उन्हें और समूह के अन्य सदस्यों को चिंतित कर दिया है। उन्होंने कहा, ''मैंने नृत्य के चरण, मुद्रा और बारीकियां अपने पिता से सीखी थीं, जिन्हें मेरे दादाजी ने ये कौशल सिखाए थे। यह हमारे खून में है। मेरे बेटे को भी गंभीरा नर्तक बनने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। लेकिन दूसरों के लिए स्थिति अलग है। मेरे साथी अक्सर मुझसे कहते हैं कि उनके बच्चे अब इस कला का अभ्यास करने में रुचि नहीं रखते।'' सरकार ने कहा कि उन्हें मई से जुलाई तक के सीजन के दौरान कम से कम 10 बुकिंग मिलती थीं, लेकिन हाल के वर्षों में यह संख्या घटकर चार-पांच तक सीमित हो गई है। गंभीरा एक पारंपरिक मुखौटा नृत्य है जिसमें बुरा-बुरी (भगवान शिव और देवी पार्वती का प्रतिनिधित्व), देवी काली और विष्णु के नरसिंह अवतार जैसे पात्र शामिल होते हैं। पारंपरिक ढोल की थाप के साथ किया जाने वाला यह नृत्य बिना गायन के प्रस्तुत किया जाता है। उन्होंने बताया कि लकड़ी का मुखौटा, जिसे 2018 में भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्राप्त हुआ था, इस कला को संरक्षित करने में सहायक है।

बिहार: तेजस्वी यादव को राजद का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद के छोटे बेटे तेजस्वी यादव को रविवार को यहां हुई पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। हाल में हुए विस चुनाव में राजद की करारी हार हुई थी, जिसमें 'महागठबंधन' ने 36 वर्षीय नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में खड़ा करके चुनाव लड़ा था। राजद ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह निर्णय पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया, जिसमें यादव, प्रसाद और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। यादव की सबसे बड़ी बहन एवं पाटलिपुत्र से सांसद मीसा भारती भी बैठक में मौजूद थीं। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी वर्तमान में बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं। शनिवार को वह पार्टी में अपना राजनीतिक कद बढ़ने को लेकर आश्वस्त दिखे थे, क्योंकि उन्होंने राजद कार्यालय में कार्यकर्ताओं से कहा था कि वह बूथ स्तर से पार्टी संरचना में बदलाव करने के बारे में सोच रहे हैं।

तेजस्वी यादव और राज्यसभा सदस्य संजय यादव समेत उनके करीबी सहयोगियों को उनकी बड़ी बहन रोहिणी आचार्य ने विधानसभा चुनाव में हुई करारी हार के लिए सीधे तौर पर दोषी ठहराया था। रोहिणी ने यह भी आरोप लगाया था कि जब उन्होंने जवाबदेही तय करने पर जोर दिया, तो उन्हें गालियां दी गईं। यादव के बड़े भाई तेज प्रताप यादव को प्रसाद ने पिछले साल पार्टी से निष्कासित कर दिया था। इसके बाद तेज प्रताप ने अपना खुद का संगठन, जनशक्ति जनता दल बनाया है, जो अभी तक कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ पाया है।

राजद का नियंत्रण घुसपैठियों, साजिशकर्ताओं के हाथों में चला गया है : रोहिणी आचार्य का आरोप

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की रविवार को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से कुछ घंटे पहले पार्टी अध्यक्ष लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने आरोप लगाया कि पार्टी का नियंत्रण ''घुसपैठियों और साजिशकर्ताओं के हाथों में चला गया है, जिनका एकमात्र उद्देश्य लालूवाद को नष्ट करना है।'' रोहिणी आचार्य 'एक्स' पर अपने पोस्ट में किसी का नाम लिए बगैर कहा कि पार्टी में नेतृत्व के लिए जिम्मेदार लोगों को ''सवालों से बचने या भ्रम पैदा करने के बजाय आत्मनिरीक्षण करना चाहिए।''

आचार्य ने दावा किया, ''वर्त्तमान की कड़वी, चिंताजनक एवं दुःखद सच्चाई यही है कि 'आज जनता के हक – हकूक की लड़ाई लड़ने के लिए जानी जाने वाली, जन – जन की पार्टी की असली कमान फासीवादी विरोधियों के द्वारा भेजे गए वैसे घुसपैठियों – साजिशकर्ताओं के हाथों में है, जिन्हें लालूवाद को तहस – नहस करने के 'टास्क' के साथ भेजा गया है, कब्ज़ा जमाए बैठे ऐसे लोग अपने गंदे मकसद में काफी हद तक सफल होते भी दिखते हैं।'' उन्होंने कहा, ''वे लालूवाद व पार्टी की हित की बात करने वालों के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र आचरण, अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हैं। अगर वो चुप्पी साधता है, तो उस पर साजिश करने वाले गिरोह के साथ मिलीभगत का दोष व आरोप स्वतः ही साबित होता है।'' आचार्य ने रविवार को पटना में होने वाली राजद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से कुछ घंटे पहले 'एक्स' पर यह पोस्ट लिखी। वह सिंगापुर में अपने पति और बच्चों के साथ रहती हैं। इससे पहले, उन्होंने राजद के मौजूदा नेतृत्व के खिलाफ आवाज उठाई थी।

भागलपुर में प्रतिमा विसर्जन से लौट रहे लोगों पर देसी बम फेंका, तीन लोग घायल

भागलपुर (बिहार)/भाषा। बिहार के भागलपुर जिले में दो लोगों ने देसी बम फेंककर तीन व्यक्तियों को घायल कर दिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार रात करीब 11 बजे लोदीपुर थाना क्षेत्र के बहोरिया गांव में हुई, जब कुछ लोग देवी सरस्वती की प्रतिमा के विसर्जन के बाद घर लौट रहे थे। इसने बताया कि घटना के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी और पीड़ित एक ही समुदाय से हैं।

जिला पुलिस द्वारा जारी बयान में कहा गया, आपसी कहासुनी के बाद दो लोगों ने प्रतिमा विसर्जन से लौट रहे तीन व्यक्तियों पर देसी बम फेंके।

बयान में कहा गया, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। दोनों आरोपियों के परिसरों पर छापेमारी की गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने एक देसी पिस्तौल और देसी बम बनाने में प्रयुक्त सामग्री भी जब्त की है।

इसने कहा कि मामले की जांच जारी है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग पर विपक्ष को 'कुचलने' का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को निर्वाचन आयोग द्वारा 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' मनाए जाने को ''दुखद तमाशा'' करार देते हुए आयोग पर विपक्ष को 'कुचलने' और ''भाजपा की ओर से'' देश के लोकतंत्र की नींव को नष्ट करने का आरोप लगाया।

बनर्जी ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग ''अपने आकाओं के इशारे पर काम कर रहा है और लोगों के मतदान अधिकारों को ''छीनने'' में लगा हुआ है। बनर्जी ने 'एक्स' पर लिखा, ''भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अपने आकाओं की ओर से वे विपक्ष को कुचलने और भारत के लोकतंत्र की नींव को नष्ट करने में लगे हैं, फिर भी वे मतदाता दिवस मनाने की ढोंग कर रहे हैं।'' मुख्यमंत्री बनर्जी निर्वाचन आयोग पर पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया जल्दबाजी में कराने का आरोप लगा रही हैं। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, निर्वाचन आयोग आज राष्ट्रीय मतदाता दिवस मना रहा है, और यह कितना दुखद तमाशा है! आयोग अपने आकाओं की आवाज बनकर लोगों के मतदान के अधिकार छीनने में व्यस्त है, और फिर भी मतदाता दिवस मनाने का ढोंग कर रहा है। मैं आज उनके इस आचरण से बेहद निराश और व्यथित हूं। उन्होंने यह भी कहा, ''निर्वाचन आयोग तार्किक विसंगति के नाम पर नए-नए बहाने ढूंढ रहा है, ताकि लोगों को परेशान किया जा सके और उन्हें उनके चुनावी अधिकारों से वंचित किया जा सके।''

असम में सिर्फ 'मिया' समुदाय के लोगों को ही बेदखल किया जा रहा है : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को दावा किया कि राज्य में केवल 'मिया' (बांग्ला भाषी मुसलमानों) को ही बेदखल किया जा रहा है। शर्मा ने विपक्षी दलों पर 'मिया' तुष्टीकरण करने का आरोप लगाया और कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस का प्रदेश मुख्यालय इस समुदाय के लोगों से भर गया है। शर्मा ने गुवाहाटी के आसपास की पहाड़ियों में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाए जाने की कथित खबरों को खारिज करते हुए यहां संवाददाताओं से कहा, असम में केवल मियाओं को ही बेदखल किया जाता है। असमिया लोगों को कैसे बेदखल किया जा सकता है?

'मिया' मूल रूप से असम में बांग्ला भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक अपमानजनक शब्द है, और गैर-बांग्ला भाषी लोग आम तौर पर उन्हें बांग्लादेशी अप्रवासी बताते हैं। हाल के वर्षों में, इस समुदाय के कार्यकर्ताओं ने विरोध के तौर पर इस शब्द को अपनाना शुरू कर दिया है। शर्मा ने दावा किया कि मीडिया गुवाहाटी की पहाड़ियों में संभावित बेदखली अभियान की अफवाहें फैला रहा है। उन्होंने दावा किया, चुनाव तक जब एक भी बेदखली नहीं होगी, तब पहाड़ियों में रहने वाले लोग समझ जाएंगे कि यह मीडिया ही था, जिसने उन्हें तनाव दिया था। राज्य की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव इस साल होने हैं, जिसमें भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश करेगा। शर्मा ने जोर देकर कहा, राज्य में भाजपा पिछले 10 वर्षों से सत्ता में है। गुवाहाटी की पहाड़ियों में बेदखली कहां की गई है? उन्होंने कहा कि सरकार वास्तव में पहाड़ियों पर रहने वाले लोगों को बिना किसी भुगतान के भूमि अधिकार प्रदान करने पर काम कर रही है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि पहाड़ियों में रहने वाले 'मिया' को बेदखली का नोटिस दिया जाएगा, लेकिन किसी भी असमिया व्यक्ति को नहीं।

ड्रेसिंग रूम के माहौल में धैर्य लेकर आते हैं गांगुली : महाराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केपटाउन/भाषा। प्रिटोरिया कैपिटल्स के कप्तान केशव महाराज ने सनराइजर्स ईस्टर्न केप के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले एसए20 क्रिकेट लीग के फाइनल से पहले टीम के मुख्य कोच सौरव गांगुली की सराहना करते हुए कहा कि यह भारतीय दिग्गज चीजों को लेकर काफी सकारात्मक है और ड्रेसिंग रूम के माहौल में धैर्य लेकर आता है।

गांगुली पहली बार प्रिटोरिया कैपिटल्स के मुख्य कोच की भूमिका निभा रहे हैं और उनके मार्गदर्शन में टीम ने फाइनल में जगह बनाई है।

महाराज ने कहा कि गांगुली का बड़े मुकाबलों में खेलने का अनुभव टीम के काफी काम आ रहा है।

महाराज ने दो बार के चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप के खिलाफ होने वाले फाइनल से पूर्व शनिवार को कहा, ''दादा (गांगुली) काफी रोमांचित हैं। बेशक, वह पहली बार मुख्य कोच के तौर पर टीम से जुड़े हैं। वह एक ऐसे कप्तान रहे हैं जिन्होंने भारत को कई बड़े मौकों पर जीत दिलाई है। उनकी जानकारी और ड्रेसिंग रूम में उनके जैसे दिग्गज के अलावा दक्षिण अफ्रीका के दिग्गजों की मौजूदगी माहौल को धैर्यपूर्ण बनाती है। वह काफी सकारात्मक व्यक्ति हैं, वह

जानकारी साझा करने के लिए तैयार रहते हैं क्योंकि वह अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चाहते हैं।'' सनराइजर्स ने 2023 और 2024 में शुरुआती दो सत्र का खिताब जीता लेकिन पिछले साल एमआई केपटाउन के खिलाफ 76 रन की हार के बाद उप विजेता रहे।

जोहानिसबर्ग के वांडरर्स में दूसरे क्वालीफायर के दौरान धीमी पिच देखने को मिली थी लेकिन महाराज को यकीन है कि फाइनल की मेजबानी कर रहे न्यूलैंड्स की पिच उससे बेहतर होगी। उन्होंने कहा, ''मुझे यकीन है कि यह पिच क्वालीफायर दो की पिच से बेहतर होगी। मुझे लगता है कि यह एक अच्छा विकेट है। बेशक, केपटाउन का मौसम काफी अच्छा है इसलिए क्रिकेट के अच्छे विकेट की उम्मीद है जिससे कि गेंद और बल्ले के बीच संतुलन रहे।'' महाराज को खुशी है कि एक समय टूर्नामेंट से बाहर होने के कगार पर खड़ी उनकी टीम ने सही समय पर लय हासिल की है और फाइनल में उनकी टीम इसी लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी। प्रिटोरिया कैपिटल्स के कप्तान ने कहा, ''हमारे लिए सत्र थोड़ा उतार-चढ़ाव वाला रहा है। हमारी टीम ने अपने मैदान पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया लेकिन हमने थोड़ी लय हासिल कर ली है और कल इसे बरकरार रखने की कोशिश करेंगे। हमने रणनीति बनाई है और उसे पूरी तरह से लागू करने पर ध्यान दे रहे हैं।''

महाराज ने कहा, '' कल क्रिकेट का एक रोमांचक मैच होने वाला है, आपके पास एक मजबूत टीम है जो चार बार यहां तक आ चुकी है और दूसरी तरफ एक नई टीम है जो हर हाल में जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी।''

एक बार फिर भू-राजनीति में उलझा उपमहाद्वीप का क्रिकेट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय उपमहाद्वीप में भू-राजनीति ने क्रिकेट को नया स्वरूप देकर उसे अब एक नए मोड़ पर खड़ा कर दिया है। इस क्षेत्र के क्रिकेट में दशकों तक राजनीतिक व्यवधान को बड़े पैमाने पर भारत-पाकिस्तान मुद्दे के रूप में देखा जाता था। लेकिन अब इसका स्वरूप भी बदल गया है।

राजनीतिक और राजनयिक मुद्दों से उपजे अनसुलझे द्विपक्षीय तनावों के कारण बांग्लादेश को सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शनिवार को कहा कि टूर्नामेंट में उनके देश की भागीदारी सरकार की सलाह पर निर्भर करेगी, जिससे यह संकेत मिले कि वह बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखाते हुए टूर्नामेंट से हट सकता है जिससे समस्याएं कुछ समय के लिए और बढ़ गईं।

पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह से कहा, ''पाकिस्तान कीचड़ भरे पानी में मछली पकड़ने की कोशिश कर रहा था और दो बनाम एक (पाकिस्तान और बांग्लादेश बनाम भारत) का खेल खेलने की कोशिश कर रहा था।'' उन्होंने कहा, ''वे पहले से ही श्रीलंका में खेल रहे हैं। यह उससे जुड़ा हुआ मामला नहीं था। जहां जरूरत है वहां दखल क्यों देना। आखिकार नुकसान तो बांग्लादेश क्रिकेट टीम और उसके खिलाड़ियों का ही हो रहा है। विश्व कप में भाग न ले पाने वाले खिलाड़ियों का नुकसान बहुत बड़ा है।''

पीसीबी ने रविवार को विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिससे नक़वी ने जिस खतरे के संकेत दिए थे वह टल गया।

इसके बावजूद अभी तक द्विपक्षीय खेल संबंधों को ही प्रभावित करने वाली राजनीति का दायरा अब फैल रहा है। बांग्लादेश को अभी तक तटस्थ माना जाता था लेकिन अब ऐसा नहीं है।

इससे यह पता चलता है कि भारतीय उपमहाद्वीप में क्रिकेट अब कूटनीतिक समीकरणों से कितनी गहराई से जुड़ा हुआ है।

सुविचार

रात में चादर समेट दी है सूरज ने रोशनी बिखेर दी है शुक्र करो उस रब का जिसने आपको इतनी सुंदर सवेर दी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जनभागीदारी से बदल रहा भारत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गणतंत्र दिवस से पहले, 'मन की बात' कार्यक्रम में विभिन्न समस्याओं के समाधान ढूंढ़ने वाले लोगों का उल्लेख कर उनका हौसला बढ़ाया है। देश में कई समस्याएं हैं। सिर्फ शिकायत करते रहने से उनका समाधान नहीं होगा। इसके लिए लोगों को आगे आना होगा। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में तमसा नदी की सफाई कर उसे 'नया जीवन' देने वाले लोगों का प्रयास सराहनीय है। प्रदूषण के कारण इस नदी की धारा अवरुद्ध हो रही थी। अब लोगों ने इसे निर्मल बना दिया है। नदियां मनुष्य को जीवन देती हैं। उनका अस्तित्व बचाने के लिए मनुष्य को आगे आना चाहिए। अक्सर कहा जाता है कि यूरोप में कई जगह नदियां बहुत साफ हैं। वे लोग अपनी नदियों में कचरा नहीं डालते। वहीं, भारत में कई नदियों को माता का दर्जा दिया जाता है, लेकिन लोग उनमें कचरा डालकर प्रदूषित करते हैं। अगर हम अपना रवैया नहीं बदलेंगे तो नदियां कैसे साफ रहेंगी? हमें उनकी पवित्रता और स्वच्छता का ध्यान रखना होगा। देश के कई इलाकों में पेयजल की गंभीर समस्या है। भू-जल का इतना दोहन किया गया है कि उसका स्तर गिरता जा रहा है। पहले, जहां थोड़ी-सी खुदाई पर पानी मिल जाता था, अब कुआं गहरा खोदना पड़ता है। कई जगह तो बहुत गहरी खुदाई के बावजूद पानी नहीं मिलता। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में भी सूखे की गंभीर समस्या रही है। वहां स्थानीय लोगों ने जलाशयों को साफ किया। इससे भू-जल का स्तर बढ़ गया। उन्होंने हजारों पौधे लगाकर हरियाली को बढ़ावा दिया। इससे इलाके की तस्वीर ही बदल गई। ऐसे प्रयास उन इलाकों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध हो सकते हैं, जहां भू-जल स्तर काफी नीचे चला गया है। वर्षाजल की एक-एक बूंद का सदुपयोग करना चाहिए।

देश के युवाओं में भजन क्लबिंग की बढ़ती लोकप्रियता उत्साहजनक है। नशे से दूरी और भगवान के भजनों में रुचि – यह ऐसा बदलाव है, जिसकी वर्षों से प्रतीक्षा थी। एक ओर जहां कुछ लोग युवा शक्ति को हिंसा और अभद्रता का महिमा मंडन करने वाले गानों से गुमराह कर रहे हैं, वहीं भजन क्लबिंग में मर्यादा का पूरा ध्यान रखा जाता है। इस चलन का सभी शहरों में प्रसार होना चाहिए। साथ ही, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में भी इसकी मर्यादा और शुचिता कायम रहे। गुजरात में बेचराजी के चंदनकी गांव की एक परंपरा से प्रेरणा ली जा सकती है। यहां के लोग, खासकर बुजुर्ग अपने घरों में खाना नहीं बनाते, क्योंकि कम्युनिटी किचन की अनूठी परंपरा जारी है। पूरे गांव के लिए एक ही जगह खाना बनता है और सभी लोग साथ बैठकर खाना खाते हैं। डेढ़ दशक से चली आ रही यह परंपरा समाज को एकता के सूत्र में बांधती है। क्या यह परंपरा अन्य गांवों में शुरू की जा सकती है? इससे समाज में समानता की स्थापना होगी। यह परंपरा पारिवारिक भावना को बढ़ावा देगी। इससे गृहिणियों का समय बचेगा। वे अन्य काम कर सकेंगी। अनंतनाग के शेखगुंड गांव में नशाखोरी की समस्या का अनूठा समाधान प्रशंसनीय है। इस गांव में दुकानदारों ने तंबाकू उत्पाद बेचने बंद कर दिए। इससे युवाओं में जागरूकता बढ़ी। अगर नशाखोरी की सामग्री दुकानों पर उपलब्ध नहीं होगी तो लोग अपनेआप नशे से दूरी बना लेंगे। हालांकि इसमें कुछ दिक्कतें हैं। कई लोग दूसरे विकल्प ढूंढ़ लेते हैं। उदाहरण के लिए, जहां शराब पर पाबंदी होती है, वहां तस्करी और जहरीली शराब की बिक्री के मामले देखने को मिलते हैं। एकतरफा पाबंदियां नशाखोरी पर कुछ हद तक नियंत्रण लगा सकती हैं। किसी व्यक्ति का संयम और दृढ़ संकल्प ही उसे बुरी आदतों से दूर रख सकता है।

ट्वीटर टॉक

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि जागरूक, सजग और जिम्मेदार मतदाता ही सशक्त लोकतंत्र की सुदृढ़ आधारशिला होते हैं।

-वसुंधरा राजे

विद्याधर नगर विधानसभा के मुरलीपुरा में दादी का फाटक स्थित राजस्थान आई हॉस्पिटल लेज़र एंड रेटीना सेंटर का उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने उद्घाटन किया। यह आधुनिक नेत्र चिकित्सा केंद्र क्षेत्रवासियों को बेहतर, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करेगा।

-दिया कुमारी

सम्मानित घुमंतु जाति के श्रद्धालुओं की निःशुल्क पावन तीर्थ यात्रा एवं दिव्यांगजनों को सहयोग प्रदान करने वाले इस भव्य आयोजन में सहभागिता कर मन अत्यंत प्रसन्न हुआ। इस सराहनीय पहल हेतु आयोजकों को साधुवाद व सभी सहभागियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड़

प्रेरक प्रसंग

समय का फेर

एक बार गुरु सत्येन्द्रनाथ अपने शिष्यों को यह बता रहे थे कि जीवन में तीन चीज़ें बहुत उलझी हुई होती हैंदिल, दिमाग और किस्मत। दिल कुछ चाहता है, फिर दिमाग उसे पाने के लिए रास्ता तलाश करता है, लेकिन अंत में वही होता है जो तक़दीर में लिखा होता है। सुबोध नामक एक युवक को यह बात समझ नहीं आ रही थी। गुरुजी उसे एक बगीचे में लेकर गए। वहां एक बंदर जामुन के पेड़ पर चढ़ाई करना चाहता था, लेकिन बागबान का मोटा डंडा उसे कुछ भी नहीं करने दे रहा था। बंदर ने एक-दो बार प्रयास किया, लेकिन वह असफल रहा।

भूख बढ़ती जा रही थी। तभी, उस बगीचे में एक बुजुर्ग केले का गुच्छा लेकर आए और वह गुच्छा बंदर के सामने रख दिया। बंदर की खुशी का पारावार न था। उसने खुशी-खुशी हाथ आगे बढ़ाकर केले छीलने शुरू किए और गर्दन हिलाते हुए वह केले खाता रहा। यह दृश्य देखकर सुबोध ने गुरुजी की बात को समझ लिया और स्वीकार किया कि जीवन में जो होता है, वह तक़दीर ही तय करती है।

सामयिक

अमेरिकी दबाव के बीच भारतीय बजट की बड़ी परीक्षा

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय इतिहास के एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है, जहां वैश्विक राजनीति, व्यापारिक नीतियां और राष्ट्रीय हित आपस में गहराई से उलझ गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए आक्रामक टैरिफ़ ने विश्व व्यापार व्यवस्था की स्थिरता को चुनौती दी है। अगस्त 2025 में भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ़ केवल शुल्क वृद्धि नहीं, बल्कि एक स्पष्ट राजनीतिक और आर्थिक संदेश हैं। इस पृष्ठभूमि में बजट 2026 साधारण वार्षिक प्रक्रिया न रहकर भारत की आर्थिक दिशा तय करने वाला ऐतिहासिक दस्तावेज बनने की ओर बढ़ रहा है। ट्रंप टैरिफ़ का प्रभाव भारतीय निर्यात के लिए गहरी चिंता का विषय बन चुका है। उपभोक्ता वस्तुएं, वस्त्र, रसायन, ऑटो कलपुर्जे और खुदरा उत्पाद जैसे क्षेत्र सीधे तौर पर इन शुल्कों की मार झेल रहे हैं। बढ़ी हुई लागत के कारण भारतीय उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा खो सकते हैं। यह स्थिति केवल व्यापार घाटे तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उत्पादन, रोजगार और निवेश पर भी नकारात्मक असर डालने की क्षमता रखती है। ऐसे में बजट 2026 से अपेक्षा है कि वह इस दबाव को अवसर में बदलने की स्पष्ट रणनीति प्रस्तुत करे।

वैश्विक स्तर पर ट्रंप टैरिफ़ संरक्षणवाद की उस नई लहर का प्रतीक हैं, जिसमें मुक्त व्यापार की अवधारणा धीरे-धीरे पीछे हटती दिख रही है। अमेरिका अपने घरेलू उद्योगों को प्राथमिकता देकर अंतरराष्ट्रीय नियमों को पुनर्परिभाषित कर रहा है। भारत के लिए यह संकेत स्पष्ट है कि अब केवल पारंपरिक व्यापार साझेदारों पर निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है। बजट 2026 के माध्यम से भारत को यह संदेश देना होगा कि वह बदलती वैश्विक व्यवस्था में केवल अनुकूलन ही नहीं, बल्कि नेतृत्व करने की क्षमता भी रखता है। निर्यात विविधीकरण इस पूरे विमर्श का सबसे मजबूत स्तंभ बनकर उभरता है। वर्षों से भारतीय निर्यात कुछ सीमित बाजारों पर केंद्रित रहा है, जिससे किसी एक झटके का असर व्यापक हो जाता है। ट्रंप टैरिफ़ ने इसी कमजोरी को उजागर किया है। अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, पश्चिम एशिया और यूरोप के उभरते बाजार भारत के लिए नए अवसर प्रस्तुत करते हैं। बजट 2026 में यदि विशेष निर्यात प्रोत्साहन, बाजार-विशेष रणनीतियां और लॉजिस्टिक समर्थन शामिल किए जाते हैं, तो भारतीय निर्यात नई दिशा पकड़ सकता है।

टैरिफ़ का प्रभाव रोजगार पर भी गहरा पड़ सकता है। निर्यात आधारित उद्योगों में मांग घटने से उत्पादन में कटौती और नौकरियों में कमी का खतरा बढ़ गया है। छोटे और मध्यम उद्योग, जो पहले से ही सीमित संसाधनों पर निर्भर हैं, सबसे अधिक प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि भारत की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से घरेलू मांग पर आधारित है, फिर भी निर्यात क्षेत्र लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करता है। बजट 2026 में रोजगार संरक्षण और सृजन के लिए लक्षित उपाय इस चुनौती का प्रभाव कम कर सकते हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के लिए यह बजट केवल वित्तीय संतुलन साधने का अभ्यास नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मरक्षा की रणनीति गढ़ने का अवसर है। नीति विशेषज्ञों की राय है कि गैर-टैरिफ़ बाधाओं को हटाना, नियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाना और नीति स्थिरता सुनिश्चित करना समय की सबसे बड़ी मांग है। विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को आकर्षित करने के लिए स्पष्ट नियम और तेज निर्णय प्रक्रिया आवश्यक है। बजट 2026 यदि इस दिशा में ठोस संकेत देता है, तो भारत वैश्विक निवेश मानचित्र पर और मजबूत स्थिति बना सकता है। घरेलू मांग को सशक्त बनाना ट्रंप टैरिफ़ के प्रभाव को कम करने का सबसे प्रभावी उपाय माना जा रहा है। जब देश का आंतरिक बाजार मजबूत होता है, तब बाहरी झटके सीमित प्रभाव डाल पाते हैं। मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति बढ़ाने के लिए आयकर राहत, उपभोग को बढ़ावा देने वाले कदम और अप्रत्यक्ष कर सुधार बजट 2026 की प्राथमिकताओं में शामिल हो सकते हैं। इससे न केवल खपत बढ़ेगी, बल्कि उद्योगों को स्थिर और विश्वसनीय मांग का आधार भी मिलेगा।

उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाएं इस रणनीति की केंद्रीय धुरी बन सकती हैं। घरेलू विनिर्माण को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप बनाने के लिए तकनीक, पूंजी और नवाचार का संगठित विकास आवश्यक है। बजट 2026 में इन योजनाओं के विस्तार से आयात निर्भरता घटेगी और घरेलू उत्पादन को नई गति मिलेगी। इससे भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि प्रभावशाली उत्पादक की भूमिका निभा सकेगा। ऊर्जा आयात और कच्चे माल की निर्भरता भी ट्रंप टैरिफ़ के संदर्भ में एक संवेदनशील मुद्दा है। रूसी तेल आयात को लेकर अमेरिकी आपत्तियों ने भारत के सामने कूटनीतिक और आर्थिक संतुलन की चुनौती खड़ी कर दी है। संकेत मिले हैं कि आयात नीति में समायोजन से शुल्क राहत संभव हो सकती है। बजट 2026 में ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण और आत्मनिर्भर ऊर्जा नीति पर जोर देकर भारत अपने दीर्घकालिक हितों की रक्षा कर सकता है।

आधारभूत संरचना में निवेश किसी भी आर्थिक रणनीति की रीढ़ होता है। सड़क, रेल, बंदरगाह, ऊर्जा और डिजिटल ढांचे में निवेश से उत्पादकता बढ़ती है और रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। बजट 2026 में यदि इन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया, तो यह न केवल तात्कालिक आर्थिक गतिविधियों को गति देगा, बल्कि दीर्घकालिक विकास को भी मजबूती प्रदान करेगा। यह निवेश भारत को वैश्विक अनिश्चितताओं से सुरक्षित रखने में सहायक होगा। शिक्षा और कौशल विकास पर खर्च भी इस बजट का एक महत्वपूर्ण आयाम हो सकता है।

बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था में वही देश टिकाऊ प्रगति करते हैं, जिनके पास कुशल और अनुकूलनशील मानव संसाधन होता है। बजट 2026 में नई तकनीकों, डिजिटल कौशल और नवाचार को बढ़ावा देने वाले प्रावधान भारत के युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार कर सकते हैं। यह निवेश भविष्य की आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार बनेगा। बजट 2026 ट्रंप टैरिफ़ से उत्पन्न दबाव को अवसर में बदलने का निर्णायक मंच साबित हो सकता है।

निर्यात विविधीकरण, घरेलू मांग की मजबूती, निवेश प्रोत्साहन और संरचनात्मक सुधार मिलकर भारत को नई आर्थिक ऊंचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखते हैं। यह बजट केवल संकट प्रबंधन का दस्तावेज नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर, सशक्त और वैश्विक रूप से प्रभावशाली भारत की स्पष्ट घोषणा बन सकता है। यदि बड़े, साहसिक और दूरदर्शी ऐलान हुए, तो बजट 2026 आने वाले वर्षों के लिए आर्थिक दिशा निर्धारित करने वाला ऐतिहासिक पड़ाव सिद्ध होगा।

नजरिया

गणतंत्र की उपलब्धियां गर्व का कारण हैं, किंतु खोया भी बहुत। भ्रष्टाचार ने जड़ें जमा लीं-टू जी, कोयला आवंटन जैसी घोटालों ने अरबों लूटे। चुनावी बॉन्ड पर सवाल, नोटबंदी के बाद काला धन वापसी असफल। महिला असुरक्षा चरम पर-निर्भया से हाथरस तक बलात्कार की घटनाएं थम नहीं रही। जातिगत हिंसा, दलित अत्याचार जारी। किसान संकट गहराः न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग, कर्जमाफी नाकाफी। युवा बेरोजगारी तीनों प्रतिशत पर, असंतोष से हिंसा भड़क रही।

गणतंत्र की उपलब्धियाँ, चुनौतियाँ और भविष्य का संकल्प

डॉ. सत्यवान 'सौरभ'

मोबाइल : 9466526148

भारत का गणतंत्र आज 77 वर्ष का हो चुका है। 26 जनवरी 1950 को लागू हुए संविधान ने एक नई भारत की नींव रखी, जो स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानों से प्रेरित थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से हमने अनेक क्षेत्रों में प्रगति की-साहित्य, खेल, कृषि, विज्ञान-प्रौद्योगिकी से लेकर आर्थिक-सैन्य क्षमता तक। विविध संस्कृति को मजबूत करते हुए राष्ट्र ने वैश्विक पटल पर अपनी पहचान बनाई। चंद्रयान मिशनों से अंतरिक्ष विज्ञान में अग्रणी बने, यूपीआई जैसी डिजिटल क्रांति ने भुगतान व्यवस्था बदल दी, जबकि ओलंपिक-एशियाड में पदकों की बौछार ने खेलक्षेत्र में नई ऊंचाइयां छुईं। आज विश्व भारत को चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देखता है, जहां सात से आठ प्रतिशत की विकास दर ने गरीबी उन्मूलन में योगदान दिया। लेकिन यह यात्रा सहज नहीं रही। आंतरिक चुनौतियां, सीमापार खतरे और सामाजिक विषमताएं बनी रहीं। गणतंत्र दिवस पर आत्मचिंतन आवश्यक है: हमने क्या पाया, क्या खोया और भविष्य के लिए क्या संकल्प लें?

भारत की पहली और सबसे बड़ी चुनौती थी-विविधता में एकता। महाद्वीप के आकार का यह देश सौ तीस करोड़ से अधिक लोगों, सैकड़ों भाषाओं-बोलियों, विविध धर्मों-संस्कृतियों का मेल था। स्वतंत्रता के समय आशंका थी कि यह एकजुट नहीं रहेगा। विभाजन की त्रासदी ने आशंकाओं को बल दिया, लाखों जानें गईं, लेकिन संविधान ने संघीय ढांचे से एकता सुनिश्चित की। अनुच्छेद एक ने 'भारत एक अखंड राज्य' घोषित किया। भाषाई राज्यों का पुनर्गठन, एकीकृत न्यायपालिका और संवैधानिक संस्थाओं ने क्षेत्रीय आकांक्षाओं को मुख्यधारा से जोड़ा। नक्सलवाद, अलगाववाद जैसी चुनौतियों के बावजूद हमने एकता बनाए रखी। पिछले 25 वर्षों में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना, पूर्वोत्तर में शांति प्रक्रियाएं इसका प्रमाण हैं। आज 'एक देश, एक राशन' जैसी योजनाएं विविधता को शक्ति बना रही हैं। यह उपलब्धि कम नहीं-विश्व के अधिकांश बहुलवादी देश टूट चुके, लेकिन भारत अटल खड़ा है।

दूसरी चुनौती थी-लोकतंत्र को जीवंत बनाना। संविधान ने वयस्क मताधिकार, मौलिक अधिकार, धर्मनिरपेक्षता प्रदान की। संसदीय प्रणाली अपनाई, जो ब्रिटिश मॉडल से प्रेरित किंतु भारतीय आवश्यकताओं के अनुरूप। नेहरू युग से चली आ रही परंपरा में अठारह लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण हुए। न्यायपालिका ने जनहित याचिका के माध्यम से गरीबों के अधिकार स्थापित किए-विशाखा दिशानिर्देशों से महिला सुरक्षा, शिक्षा का अधिकार से शिक्षा का अधिकार। महिला आरक्षण ने पंचायती राज में तैंतीस से पचास प्रतिशत क्रांति लाई, जो राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार की प्रतीक्षा कर रहा। सूचना का अधिकार ने पारदर्शिता बढ़ाई, जबकि वस्तु एवं सेवा कर ने आर्थिक एकीकरण किया। चुनौतियां रहीं-आपातकाल जैसे काले अध्याय, लेकिन संस्थाओं ने पुनरुद्धार किया। आज त्रस्तंभ मजबूत हैं: चुनाव आयोग निष्पक्ष, भारतीय रिज़र्व बैंक आर्थिक स्थिरता का प्रहरी। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र ने साबित किया कि गरीबी और निरक्षरता के बावजूद प्रजातंत्र फल-फूल सकता है।

तीसरी चुनौती थी विकास। वर्ष 1947 में सकल घरेलू उत्पाद दो लाख तीस हजार करोड़ था, आज चार सौ लाख करोड़ से अधिक। हरित क्रांति ने अन्न भंडार भरे, सफेद क्रांति ने दूध उत्पादन में विश्व रिकॉर्ड बनाया। इसरो के सौ से अधिक उपग्रह मिशन, कोविशील्ड वैक्सीन ने आत्मनिर्भरता दिखाई। डिजिटल भारत ने सौ करोड़ से अधिक आधार कार्ड जोड़े, जबकि स्टार्टअप भारत ने एक लाख से अधिक स्टार्टअप जन्मे। सामाजिक मोर्चे पर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम ने अस्सी करोड़ को सस्ता अनाज दिया, स्वच्छ भारत ने बारह करोड़ शौचालय बनाए। आयुष्मान भारत ने पचास करोड़ गरीबों को स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया। लेकिन असमानता बनी-ऊपर दस प्रतिशत के पास सत्तावन प्रतिशत संपत्ति, जबकि निचले पचास प्रतिशत के पास तीन प्रतिशत। ग्रामीण-शहरी खाई, किसान आत्महत्याएं चिंताजनक। फिर भी, गरीबी रेखा से बाहर पचीस करोड़ लोग निकले-यह गर्व का विषय।

गणतंत्र की उपलब्धियां गर्व का कारण हैं, किंतु खोया भी बहुत। भ्रष्टाचार ने जड़ें जमा लीं-टू जी, कोयला आवंटन जैसी घोटालों ने अरबों लूटे। चुनावी बॉन्ड पर सवाल, नोटबंदी के बाद काला धन वापसी असफल। महिला असुरक्षा चरम पर-निर्भया से हाथरस तक बलात्कार की घटनाएं थम नहीं रही। जातिगत हिंसा, दलित अत्याचार जारी। किसान संकट गहरा: न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग, कर्जमाफी नाकाफी। युवा बेरोजगारी तीनों प्रतिशत पर, असंतोष से हिंसा भड़क रही। प्रदूषण घातक, प्रांतीयता का जहर बरकरार। अभिव्यक्ति स्वतंत्रता पर दुरुपयोग। नक्सलवाद, आतंकवाद बने सिरदर्द। ये घाव भारत माता को रक्तरंजित कर रहे।

खोया भले हो, लेकिन हल संभव। भ्रष्टाचार पर प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण ने रिसाव रोका। महिला सुरक्षा हेतु फास्ट-ट्रैक कोर्ट, निर्भया कोष उपयोग बढ़ाएं। किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान उत्पादक संगठन मजबूत करें। रोजगार हेतु कौशल भारत, आत्मनिर्भर तीन से दस करोड़ नौकरियां सृजित संभव। सामाजिक सद्भाव हेतु संविधान जागरण अभियान चलाएं। प्रदूषण पर विद्युत वाहन नीति, नमामि गंगे को गति। पंचायती राज को सशक्त बनाएं-महिला प्रतिनिधित्व से स्थानीय शासन मजबूत। युवाओं को मुख्यधारा जोड़ें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता-बिग डेटा से नफरत फैलाव रोका जा सकता। 2047 तक विकसित भारत का सपना साकार करने हेतु एकजुट हों। गणतंत्र दिवस मात्र परेड-झंडारोहण नहीं, आत्मचिंतन का अवसर। हमने एकता, लोकतंत्र, विकास पाया; भ्रष्टाचार, असमानता खोया। लेकिन युवा शक्ति हमारा हथियार। आशावादी रहें-भारतीय मॉडल अपनाएं। राष्ट्रपिता गांधी, संविधान निर्माता अम्बेडकर के सिद्धांतों पर चलें। गणतंत्र को कंटीली झाड़ियों से निकालें, उज्ज्वल भविष्य बनाएं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

रैली

हैदराबाद में महिला कार्यकर्ता रविवार को ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक विमेंस एसोसिएशन की 14वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस रैली में हिस्सा लेती हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने गांव को तंबाकू मुक्त बनाने के प्रयास के लिए युवक की सराहना की

श्रीनगर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में अनंतनाग के युवक मीर जाफर की अपने गांव को नशे से मुक्त कराने के प्रयासों के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि देश के लिए कुछ करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

जाफर ने शेखगुंड गांव स्थित अपने आवास पर संवाददाताओं से बातचीत में 'मन की बात' के दौरान उनके काम का जिक्र करने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, यह निश्चित रूप से मनोबल बढ़ाने वाला है, और हमें बेहतर काम करने के लिए प्रेरित करेगा। जाफर ने कहा कि यह पहल करने का फैसला इसलिए किया क्योंकि उन्होंने देखा कि युवा नशे की लत के शिकार हो रहे हैं, जबकि कई बुजुर्ग तंबाकू के सेवन के कारण कैंसर से पीड़ित हैं। उन्होंने कहा, इसलिए मैंने युवाओं से बात करने और उन्हें नशे की लत से दूर करने का फैसला किया। हमने बुजुर्गों को भी तंबाकू सेवन के बुरे प्रभावों के बारे में समझाया। ईश्वर की कृपा से लोगों ने हमारी बात सुनी और हम अपने गांव को तंबाकू मुक्त बनाने में सफल रहे।

जाफर ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रोत्साहन भरे शब्दों से यह साबित हो गया कि अच्छे काम को नजरअंदाज नहीं किया जाता। उन्होंने कहा, युवाओं से मेरी अपील है कि वे अपने ज्ञान और क्षमता का उपयोग देश की बेहतरी में योगदान देने के लिए करें।

प्रधानमंत्री ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम में कहा, जब परिवार और समाज की शक्ति एकजुट होती है, तो हम सबसे कठिन चुनौतियों पर भी काबू पा सकते हैं। मैंने अनंतनाग के शेखगुंड गांव के बारे में जाना है। वहां मादक पदार्थों, तंबाकू, सिगरेट और शराब से संबंधित समस्याएं काफी बढ़ गई थीं...।

शांति का संदेश देगी फिल्म 'इंडिया पाकिस्तान द फाइनल रेज़ोल्यूशन' : युवराज कुमार

श्रीनगर/एजेन्सी

26 जनवरी को देखते हुए सिनेमा में देशभक्ति से ओतप्रोत फिल्में बन रही हैं और इसी कड़ी में नई फिल्म 'इंडिया पाकिस्तान-द फाइनल रेजोल्यूशन' का नाम भी शामिल हो गया है। फिल्म भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे लंबे संघर्ष को दिखाएगी। अब फिल्म निर्माता युवराज कुमार ने फिल्म की शूटिंग और कश्मीर के हालातों पर खुलकर बात की है। फिल्म निर्माता युवराज कुमार ने अपनी आगामी फिल्म 'इंडिया पाकिस्तान: द फाइनल रेज़ोल्यूशन' पर बात करते हुए कहा, ये फिल्म भारत और पाकिस्तान के गहन रिश्तों पर बनी है और यह फिल्म दोनों देशों के बीच शांति की बात करती है। बीते काफी समय से भारत और पाकिस्तान के रिश्ते ठीक नहीं चल रहे हैं और युद्ध तक के आसार देखने को मिले। ये फिल्म उन्हीं पहलूओं पर बात करते हुए दर्शकों के बीच बड़ा सरप्राइज लेकर आएगी। निर्माता युवराज कुमार ने आगे कहा, बीते साल ही दोनों देशों के बीच युद्ध हुआ और युद्ध के नकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिले। ये फिल्म दोनों देशों के बीच चल रही दिक्कतों का समाधान भी देगी।

फिल्म दिखाएगी कि पाकिस्तान और भारत के रहने वाले लोग क्या चाहते हैं? क्या वे सच में युद्ध चाहते हैं? जवाब है नहीं। कोई भी युद्ध और लड़ाई नहीं चाहता है। इसके अलावा, फिल्म में भारत-पाकिस्तान के बीच लग रहे पुराने मुद्दों को भी दिखाया जाएगा।

फिल्म का उद्देश्य है कि अभी भी देरी नहीं हुई है और दोनों देश एक अच्छे पड़ोसी की तरह रह सकते हैं, क्योंकि युद्ध के वक्त आम जनता को सबसे ज्यादा झेलना पड़ता है। फिल्म की शूटिंग पर निर्माता ने कहा, फिल्म का कुछ हिस्सा मुंबई में शूट होगा और कुछ हिस्से को कश्मीर में शूट करना है। हमने कुछ लोकेशन को फाइनलाइज किया है और जल्द ही वहां शूटिंग शुरू होगी।

पहलगाम में हुए हमले के बाद कश्मीर में शूटिंग को दोबारा शुरू करने के सवाल पर निर्माता ने कहा, कश्मीर बहुत खूबसूरत जगह है, लेकिन बीते साल पहलगाम में हुई घटना ने लोगों को थोड़ा डरा दिया। हालांकि उस दौरान में मैंने कश्मीर में शूटिंग की थी, और मेरा मानना है कि कश्मीर में टूरिज्म और क्षेत्रीय फिल्मों को बढ़ावा देने के लिए सभी को कश्मीर की खूबसूरत वादियों में शूटिंग करनी चाहिए। वहां के स्थानीय लोग चाहते हैं कि कश्मीर पहला जैसा कश्मीर बन जाए और शूटिंग शुरू हो, क्योंकि कश्मीर के स्थानीय लोगों का रोजगार और घर टूरिज्म से चलता है।

फिल्म 'अस्सी' का मोशन पोस्टर जारी

मुंबई/एजेन्सी

'मुल्क' और 'थप्पड़' के बाद निर्देशक अभिनव सिन्हा और अभिनेत्री तापसी पन्नू मिलकर एक बार फिर नई कहानी लेकर आ रहे हैं। शुक्रवार को अभिनेत्री तापसी पन्नू ने इंस्टाग्राम पर फिल्म अस्सी के मोशन पोस्टर के साथ रिलीज डेट की घोषणा की। 'मुल्क' और 'थप्पड़' में तापसी की अच्छी परफॉर्मेंस देखने के बाद फैंस फिर से तापसी को स्क्रीन पर देखने के लिए बेताब हैं। वहीं, इस फिल्म में तापसी एक वकील की भूमिका में दिखाई देंगी। अभिनेत्री ने फिल्म का मोशन पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर किया। यह मोशन पोस्टर काफी इंटेंस और प्रभावशाली है। इसमें एक लड़की पटरियों पर तेजी से भागती नजर आ रही है, जबकि पीछे कई लोग उसे पकड़ने के लिए दौड़ रहे हैं। इसके बाद तापसी पन्नू की एंट्री होती है। उनके चेहरे पर खून के छींटे हैं और वे वकील की यूनिफॉर्म में हैं। पोस्टर पर फिल्म की टैगलाइन लिखी है, उस रात वो घर नहीं पहुंची।पोस्टर में लिखी टैगलाइन कहानी के बारे में थोड़ा सा संकेत दे रही है। माना जा रहा है कि यह एक कोर्टरूम थ्रिलर फिल्म होगी, जिसमें इंसाफ की लड़ाई और गंभीर सामाजिक मुद्दों को दिखाया जाएगा।

अनुभव सिन्हा द्वारा निर्देशित फिल्म अस्सी का निर्माण टी-सीरीज कर रहा है। वहीं, फिल्म की स्टारकास्ट काफी दमदार है। इसमें तापसी के अलावा, कानी कुसृति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा, जीशान अय्यूब, नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक, और सीमा पाहवा समेत कई कलाकार अहम भूमिका में नजर आएंगे।यह तापसी और अनुभव सिन्हा की साथ में तीसरी फिल्म होगी। इससे पहले दोनों साथ में 'मुल्क' और 'थप्पड़' जैसी फिल्में कर चुके हैं, जो कि बॉक्स ऑफिस में काफी सफल रही थी। फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसी के साथ ही यह फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के साथ क्लैश करेगी। इस फिल्म में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी लीड रोल में हैं। अब देखना होगा कि दर्शक किस फिल्म को ज्यादा प्यार देंगे।

मोदी ने यूएई की 2026 को 'परिवार वर्ष' घोषित करने की सराहना की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) द्वारा 2026 को 'परिवार वर्ष' घोषित करने की पहल की रविवार को सराहना करते हुए इसकी तुलना भारत की परिवार व्यवस्था से की, जो देश की परंपराओं का हिस्सा है। अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने गुजरात के एक गांव में शुरू की गई एक पहल का जिक्र किया, जहां सभी परिवारों के लिए एक सामुदायिक रसोई चलाई जाती है।मोदी ने कहा, गुजरात में बेचराजी के चंदनकी गांव की परंपरा अपने आप में अनूठी है। अगर मैं आपसे कहूं कि यहां के लोग, विशेषकर बुजुर्ग, अपने घरों में खाना नहीं बनाते, तो आपको हैरत होगी। इसकी वजह गांव की शानदार सामुदायिक रसोई है। उन्होंने कहा कि ये पहल न केवल लोगों को आपस में जोड़ती है, बल्कि इससे पारिवारिक भावना को भी बढ़ावा मिलता है।प्रधानमंत्री ने कहा, कई देशों में ऐसी परिवार व्यवस्था को लेकर बहुत सम्मान का भाव है। कुछ ही दिन पहले ही मेरे भाई यूएई के राष्ट्रपति महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान भारत आए थे।

विक्रांत मैसी की फिल्म में दिख सकती हैं जेनिफर लोपेज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में अब तक जो करिश्मा सलमान खान और शाहरुख खान जैसे सुपरस्टार भी नहीं कर पाए, वह अब विक्रांत मैसी करने जा रहे हैं। उनकी अपकमिंग अंतरराष्ट्रीय फिल्म 'व्हाइट' ने बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक हलचल मचा दी है। इस फिल्म से जुड़ा सबसे चौंकाने वाला अपडेट यह है कि हॉलीवुड की ग्लोबल पॉप आइकन जेनिफर लोपेज इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने जा रही हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, जेनिफर लोपेज विक्रांत मैसी की अंतरराष्ट्रीय फिल्म 'व्हाइट' के लिए एक खास 'वर्ल्ड पीस एंथम' गाने वाली हैं। यह पहली बार होगा जब किसी भारतीय अभिनेता की फिल्म में जेनिफर लोपेज जैसी वैश्विक स्टार अपनी आवाज़ देंगी। इस ऐतिहासिक प्रोजेक्ट को 'पठान' और 'फाइटर' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद और निर्माता महावीर जैन प्रोड्यूस कर रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक, यह कोई साधारण गाना नहीं होगा। जेनिफर लोपेज जिस 'वर्ल्ड पीस एंथम' पर काम कर रही हैं, उसका मकसद पूरी दुनिया में शांति, एकता और भाईचारे का संदेश फैलाना है। इस गाने की तुलना दिवंगत पॉप लीजेंड माइकल जैक्सन के ऐतिहासिक गीत 'हील द वर्ल्ड' से की जा रही है। बताया जा रहा है कि यह एंथम अंग्रेज़ी और स्पेनिश भाषाओं में होगा और इसकी थीम भारतीय दर्शन 'वसुधैव कुटुंबकम' यानी दुनिया एक परिवार है और विश्व शांति पर आधारित होगी। विक्रांत मैसी की फिल्म 'व्हाइट' इस तरह सिर्फ एक सिनेमाई प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक सोच को वैश्विक मंच पर पहुंचाने की एक बड़ी कोशिश बनकर उभर रही है। जेनिफर लोपेज की मौजूदगी ने इस फिल्म को पहले ही अंतरराष्ट्रीय चर्चा का विषय बना दिया है।

मनाली में रविवार को मनाली में मनाली विंटर कार्निवल 2026 के दौरान एक लोक डांसर 'नाटी लोक डांस' करती हुई।

ईशान खट्टर ने 'होमबाउंड' के ऑस्कर की अंतिम सूची में जगह न बना पाने पर भावुक प्रतिक्रिया दी

नई दिल्ली/भाषा

ऑस्कर की दौड़ में शामिल होने के बावजूद नामांकन हासिल न कर पाने वाली अपनी फिल्म होमबाउंड को लेकर अभिनेता ईशान खट्टर ने भावुक प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

उन्होंने लिखा कि इस फिल्म की हमेशा उनके दिल में एक खास जगह होगी। 98वें एकेडमी अवॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि रही होमबाउंड भले ही अंतिम सूची में जगह न बना पाई हो, लेकिन ईशान के लिए इसकी यात्रा बेहद खास रही। नीरज घेवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म का प्रीमियर पिछले साल मई में कान फिल्म फेस्टिवल की 'अनसरटेन रिगार्ड' श्रेणी में हुआ था।

यह फिल्म पत्रकार बशारत पीर के 'न्यूयॉर्क टाइम्स' में प्रकाशित लेख टेकिंग अमृत होम से प्रेरित है और इसमें ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जाह्नवी कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। कहानी एक मुस्लिम और एक दलित युवक की बचपन की दोस्ती के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने उपनामों के कारण लंबे समय से झेली गई सामाजिक उपेक्षा के बावजूद सम्मान और पहचान की तलाश में पुलिस में भर्ती होना चाहते हैं। हॉलीवुड के दिग्गज फिल्मकार मार्टिन स्कॉर्सेसी इस फिल्म से कार्यकारी निर्माता के तौर पर जुड़े रहे।

ईशान ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के पर्दे के पीछे के फिल्माए दृश्यों को साझा करते हुए लिखा कि होमबाउंड उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि आत्ममंथन की यात्रा रही है। उन्होंने इसे एक ऐसी कहानी बताया जो कठिन सच्चाइयों को दिखाने के बावजूद उम्मीद से भरी हुई है और जिसे वह हमेशा प्रेम, कृतज्ञता और नैतिकता की राह दिखाने के रूप में याद रखेंगे। वहीं विशाल जेठवा ने भी ऑस्कर की अंतिम सूची में शामिल न होने पर पर निराशा के बावजूद फिल्म पर गर्व जताया। उन्होंने लिखा कि नामांकन न मिलना दिल तोड़ने वाला है, लेकिन असफलता कोशिश न करने में होती है, न कि हारने में।

जयशंकर ने अमेरिकी सांसदों की मेजबानी की: सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर मुख्य रूप से हुई चर्चा

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को तीन सदस्यीय अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल के साथ व्यापार और सुरक्षा सहित भारत-अमेरिका संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। यह चर्चा दोनों देशों के बीच संबंधों में जारी तनाव की पृष्ठभूमि में हुई।

बैठक में मौजूद अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि वार्ता 'सार्थक' रही और इसका मुख्य उद्देश्य सुरक्षा, व्यापार और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करना था।

जिमी पैट्रोनिस, माइक रोजर्स और एडम स्मिथ सहित अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा ऐसे समय में हुई है, जब दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए बातचीत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बैठक को 'अच्छी बातचीत' बताया। उन्होंने कहा, भारत-अमेरिका संबंधों, हिंद-प्रशांत क्षेत्र और यूक्रेन संघर्ष के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। कांग्रेस के साथ संवाद हमेशा से हमारे संबंधों का एक महत्वपूर्ण पहलू रहा है।

गोर ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के सदस्य माइक रोजर्स एएल, एडम स्मिथ और जिमी पैट्रोनिस के साथ मजबूत सुरक्षा, विस्तारित व्यापार और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों पर सहयोग के साथ अमेरिका-भारत साझेदारी को मजबूत करने के तरीकों पर एक उपयोगी बैठक अभी संपन्न हुई है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का भारी शुल्क (टैरिफ)लगाने के बाद भारत-अमेरिका संबंधों में गिरावट आई है। इस टैरिफ में रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क भी शामिल है।

प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए दोनों पक्षों ने पिछले वर्ष कई दौर की वार्ताएं कीं। हालांकि, भारत के कृषि और डेरी क्षेत्रों को खोलने की अमेरिका की मांगों के कारण यह समझौता अभी तक अंतिम रूप नहीं ले सका है।

रिया सेन: 15 साल की उम्र में फेस किया कैमरा, नहीं हासिल कर सकी मां और नानी जैसा मुकाम

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा के बड़े पर्दे पर चमकने के लिए हर साल कई चेहरे आते हैं। नए चेहरे आते हैं, और कहां गायब हो जाते हैं, किसी को पता नहीं चलता। कुछ ही चेहरे ऐसे होते हैं जो सिनेमाई दुनिया में अपना मुकाम बना पाते। ऐसी ही एक अभिनेत्री हैं रिया सेन, जिन्हें विरासत में एक्टिंग मिली, लेकिन वो मुकाम हासिल नहीं कर पाई जो उनकी मां मुनमुन सेन और नानी सुचित्रा सेन ने हासिल किया था। 24 जनवरी को जन्मीं रिया सेन ने बाल कलाकार के रूप में बॉलीवुड में डेब्यू किया था। 1991 में फिल्म 'विषकन्या' में उन्हें बतौर चाइल्ड ऑटिस्ट देखा गया और उसके बाद रिया कई फिल्मों में नजर आई। उन्होंने हिंदी, तमिल और बंगाली सिनेमा में पैर जमाने की कोशिश की लेकिन असफल रहीं। रिया अपनी फिल्मों से ज्यादा फिल्म इंडस्ट्री में उनके विवाद और पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रही थीं। यही कारण है कि फिल्मों के दौरान भी उनके लव अफेयर के चर्चे सबसे ज्यादा रहते थे। रिया ने करियर की शुरुआत 15 साल की उम्र में 1999 में आई तमिल फिल्म 'ताजमहल' से की थी, जिसके बाद रिया साल 2001 में आई 'स्टाइल', 'झंकार बीट्स', 'शादी नं. 1', और 'सपना मनी मनी' जैसी फिल्मों में दिखी। ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप या कुछ औसत रहीं। साल 2005 में उन्हें हॉरर मलयालम फिल्म अनंथाभाद्रम में भी देखा गया। फिल्में आती रहीं, रिलीज हुईं, लेकिन रिया पहचान बना नहीं पाई। कई फिल्मों में काम करने के बाद रिया आज बड़े पर्दे से दूर हैं, लेकिन आज भी उनकी फिल्मों से ज्यादा उनके विवादों की बात होती है। कहा जाता है कि रिया को सेट पर उनके टैंट्रम्स के लिए जाना जाता है। रिया सेट पर स्टॉफ से बदसलूकी के लिए बदनाम थीं। निर्माता उन्हें फिल्म इसलिए भी ऑफर करने से बचते थे क्योंकि उनके बदतमीजी के किस्से मशहूर थे। रिया का नाता एमएमएस लीक होने से लेकर रेव पार्टी में उनकी मौजूदगी तक से रहा था। निजी जीवन भी फिल्मों से कम नहीं था।

'बॉर्डर 2' फिल्म को मिल रही जमकर तारीफ

मुंबई/एजेन्सी

वॉर ड्रामा फिल्म 'बॉर्डर 2' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म को लेकर हर जगह से सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

फिल्म में देशभक्ति, जज्बा और एक्शन का शानदार मिश्रण है, जिसने लोगों के दिलों को छू लिया है। फिल्म देखने के बाद बॉलीवुड के बड़े फिल्ममेकर करण जौहर भी काफी प्रभावित हुए। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर किया। इसमें सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ नजर आ रहे हैं। पोस्ट के साथ करण ने फिल्म की टीम की मेहनत की सराहना की। उन्होंने लिखा, 'बॉर्डर 2' के कई सीन मुझे रुला गए। देशभक्ति दिल से महसूस होती है। यह फिल्म तय तौर पर विजेता है! 'बॉर्डर 2' 1997 में आई जे.पी. दत्ता की क्लासिक फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल है, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध पर आधारित थी, लेकिन नई फिल्म को नए दौर की कहानी और भावनाओं के साथ पेश किया गया है। फिल्म में सनी देओल सिपाही फतेह सिंह कलेर के किरदार में हैं। उनके साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, सोनम बाजवा, मोना सिंह और मेधा राणा जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।

'बॉर्डर 2' के निर्माता गुलशन कुमार और टी-सीरीज हैं। फिल्म के निर्देशक अनुराग सिंह हैं, जबकि भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी. दत्ता, और निधि दत्ता इसके निर्माण में शामिल हैं।

फिल्म को बिना किसी कट के यूए 13 प्लस के सर्टिफिकेट के साथ रिलीज किया गया है। इस बार 'बॉर्डर 2' में तीन सेनाओं (आर्मी, एयर फोर्स और नेवी) के जांबाजों की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में सनी देओल आर्मी ऑफिसर, वरुण धवन एक मेजर, दिलजीत दोसांझ एयर फोर्स पायलट और अहान शेट्टी नेवी ऑफिसर के रोल में हैं। 'बॉर्डर 2' उन लोगों के लिए खास है जो देशभक्ति वाली फिल्में पसंद करते हैं। यह फिल्म न सिर्फ मनोरंजन से भरपूर है, इसमें दमदार एक्शन सीन्स भी हैं।

तप त्याग व सामायिक दिवस के रूप में मनाया गया दीक्षा दिवस

सेवा समिति ने आयोजित किए मानवसेवा व अन्नदान कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के एसएस जैन संघ माम्बलम टी.नगर के तत्वावधान में लोकमान्य संत रूपचंदजी एवं स्वर्ण संयम आराधक श्री वीरेन्द्रमुनीजी का दीक्षा दिवस तप त्याग एवं सामायिक के साथ जैन स्थानक में मनाया गया। मुनिश्री वीरेंद्रमुनीजी ने मंगलाचरण करवाया। मुनिश्री ने रूपचन्दजी म सा के व्यक्तित्व, कृतित्व व संयम जीवन पर सारगर्भित प्रवचन देते हुए उन्हें जिनशासन का महान प्रभावक राष्ट्रसंत बताया। अजैन होते हुए भी मात्र 13 वर्ष की उम्र में उन्होंने भागवती जैन दीक्षा अंगीकार की। उनके गुरु का नाम मोतीलालजी महाराज था लेकिन उनके स्वर्गवास के पश्चात वो मरूधर केसरी मिश्रीमलजी के पास आ गए और जीवन पर्यंत उनके नाम को खूब रोशन किया।

उन्होंने देशभर में अनेक गौशाला एवं जन परोपकारी संस्थाओं के निर्माण की प्रेरणा करवाया। संघ अध्यक्ष डॉ उत्तमचन्द गोठी ने आगंतुक श्रावक श्राविकाओं का स्वागत करते हुए दोनों संतों के जीवन चरित्र का परिचय दिया। दीक्षा दिवस मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर होने का पहला कदम हैं। गोठी ने कहा कि भोग से योग, अंधकार से प्रकाश, असत्य से सत्य, राग से वीतराग व अधर्म से धर्म की ओर अग्रसर होने का राज मार्ग हैं दीक्षा।

इस प्रसंग पर भगवान महावीर सेवा समिति द्वारा 401वां मानव सेवा व अन्नदान का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें लगभग 300 लोगों को मिष्ठान युक्त भोजन दान दिया गया।

श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ नारायणी मंदिर का वार्षिकोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेल्लूर। शहर के श्रीपुरम स्थित विश्वविख्यात श्री नारायणी मंदिर का 26वां वार्षिक उत्सव शनिवार को अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के कल्याण, सुख-समृद्धि एवं विश्व शांति की कामना के साथ श्री नारायणी महायज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। यह दिव्य महायज्ञ परम पूज्य श्री शक्ति अम्मा की पावन उपस्थिति में संपन्न हुआ। आयोजन के अंतर्गत 24 जनवरी को विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ पूर्ण किया गया, जिसके पश्चात महापूर्णाहुति का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम के दौरान श्री शक्ति अम्मा द्वारा श्री नारायणी माता का विशेष अभिषेक भी किया गया, जिसमें उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। वहीं सायंकाल पीठम फुल मून हॉल में महिलाओं के लिए 1008 दीप पूजा का विशेष आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों महिलाओं ने दीप प्रज्वलित कर माता से सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर प्रशासन की ओर से सभी श्रद्धालुओं को माता श्री नारायणी एवं प शक्ति अम्मा का आशीर्वाद दिया गया।

तमिल साहित्य संवर्धन में जैनों का अतुलनीय योगदान : दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जैन गुरुकुल अंबत्तूर की निदेशिका विजया कोटेचा को पिछले दिनों दक्षिण भारत जैन स्वाध्याय संघ का मंत्री बनाए पर साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने उन्हें साहित्य भेंट करके सम्मान किया। डॉ. धींग ने केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान से हिंदी में अनुदित तमिल लक्षण ग्रंथ तोलकाप्पियम और प्रथम महाकाव्य शिलप्पादिकारम भेंट किए। उन्होंने बताया कि ये प्राचीन ग्रंथ जैन विद्वानों द्वारा रचित हैं। प्राचीन तमिल साहित्य के संवर्धन में जैनों का अतुलनीय योगदान है।

डॉ. धींग ने कहा कि 2024 से प्राकृत को भी शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त है। प्राकृत व तमिल के तुलनात्मक अध्ययन पर कार्य किया जा सकता है। हाल ही नंदनम में संपन्न पुस्तक मेले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि तमिल जनता का साहित्य प्रेम प्रेरणादायक है।

कोटेचा ने बताया कि अध्यक्ष लाभचंद खारीवाल ने उन्हें चेन्नई के सबसे पुराने जैन स्वाध्याय संघ के मंत्री पद का दायित्व दिया। इसके अलावा सज्जनराज मेहता, महावीरचंद खाबिया, शकुंतला संकलेचा, अजितकुमार गोठी को उपाध्यक्ष, जयंतीलाल कावड़िया को कोषाध्यक्ष और ऋषभ घोड़ावत को सहमंत्री बनाया।

कोयंबतूर में मर्यादा महोत्सव का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। शहर के तेरापंथ भवन में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में तीन दिवसीय मर्यादा महोत्सव का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में कुन्नूर ,तिरुपुर से बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे। सभा के उपाध्यक्ष धनराज सेठिया ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम की सूची में युवती मंडल का साध्वी मैनाजी के जीवनी पर आधारित नाटिका का मंचन किया गया। स्थानीय सभा-संस्थाओं द्वारा मर्यादा महोत्सव पर सामूहिक गीत व कन्या, किशोर मंडल द्वारा 'तेरापंथ मिलिट्री संवाद' की प्रस्तुति दी गई। साध्वी मलययशाजीजी, आस्था प्रभाजी और दीक्षाप्रभाजी ने मर्यादा विषय पर गीत का संगान किया। साध्वी दीक्षाप्रभाजी ने संघ की 'आयरन डोम फॉर इम्युनिटी'के बारे में जानकारी दी। कुन्नूर महिला मंडल ने गीत प्रस्तुत किया और तिरुपुर मंडल ने साध्वीश्री से दर्शन सेवा की याचना की। साध्वी सिद्धप्रभाजी ने श्रावकों से विशेष कर खानपान की शुद्धि बनाए रखने की प्रेरणा दी एवं संकल्प भी करवाया। निर्मल बेंगवानी ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया। सभा के मंत्री अजय बुच्चा ने धन्यवाद दिया।

अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज 'उत्कृष्ट विद्यालय' के रूप में सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वेपेरी स्थित अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज शिक्षण क्षेत्र में दिन प्रतिदिन अपने विद्यालय को सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए अनवरत प्रयासरत है। देश के प्रतिष्ठित दैनिक अंग्रेजी अखबार ने चेन्नई में आयोजित टाइम्स एजुकेशन आइकॉन्स 2025-26 पुरस्कार समारोह में अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज को उत्कृष्ट विद्यालय 'नवोन्मेषी शिक्षण-मध्य क्षेत्र' के रूप में सम्मानित किया गया। इस समारोह में विद्यालय के सचिव एवं संवाददाता मुरारीलाल सोंथलिया एवं प्रधानाचार्या विजयलक्ष्मी ने सम्मान प्राप्त किया।

BEAWAR ASSOCIATION TRUST
PRESENTS
MERA BHARAT MAHAN
(In Aid of Medical Relief Project)
Beawar Ratna Felicitation
&
Bollywood Music Program
DATE
26th January 2026, Monday
TIME
5:00 Pm Onwards
VENUE : Sir Mutha Venkatasubba Rao Auditorium (Lady Andal School Premises)
BEAWAR RATNA AWARDEE
SHRI K.SUBHASHCHANDJI RANKA
SHRI M.RIKHABCHANDJI BOHRA
IN THE FIELD OF SOCIAL & PHILANTHROPIC ACTIVITIES
SPECIAL INVITEE
SHRI RAMESHJI MUTHA
(CHAIRMAN, NAKODA TIRTH TRUST)
SHRI M K JAIN
(EX PRESIDENT, SHREE JAIN MAHASANGH)
RENOWNED SOCIAL & PHILANTHROPIC PERSONALITIES
TITLE SPONSOR
SHRI BHAWARLAL GOTHI & FAMILY
SMT SHAKUNTALAJI GOLECHA (DAUGHTER) SHRI AJITJI RAJSHREE GOTHI (SON)
POWERED BY
Mohan Mutha Exports Pvt. Ltd.
CO POWERED BY
JCS JEWELLERS, T.NAGAR
SHRI PRAKASHCHAND ASHOK KUMARJI MAHAVEERCHANDJI KATRELA
DIAMOND DONOR
SHRI K.SUBHASHCHANDJI KASTURI BAI, NARESHJI RANKA M/S. SUBHASH AUTO ENTERPRISES
SHRI RAJKUMARJI LUNAWAT M/S. SARL INVESTMENTS
SHRI MOHANLALJI PRAKASHCHANDJI, SURESHCHANDJI, KANTILALJI, KISHOREJI GADWANI, CHENGALPET M/S. SURESH JEWELLERS
SMT JEEVIBAI MEGHRAJJI SAKARIA M/S. MEGH PROMOTERS PVT LTD
SHRI DAMAN PRAKASHJI RATHOD M/S. DRA HOME OF PRIDE
SMT UGAM KANWAR BHAWARLAL SETHIA & SONS CHARITABLE TRUST M/S. SETHIA SONS
SHRI SUNILJI KETHPALIA M/S. S.S KHETPALIA FOUNDATION
SHRI M.RIKHABCHAND KAMALA KAWAR, RAJESHJI, DILIPJI BOHRA VADAPALANI
SHRI MITHALALJI PAGARIYA M/S. M M JEWELLERY
SMT ANUPAMA UJJWALJI BHANDARI D/O. SHRI AJITJI GOTHI M/S. PREMIUM PETRO & INFRA PROJECTS (P) LTD.
SMT SUMANJI RAJENDRAJI BAFNA U.S.A.
SHRI LAKSHMANJI SWETAJI BHANDARI M/S. SUMERU DEVELOPERS
SHRI M K JAIN M/S. ASIA ENGINEERING CO PVT. LTD.
SHRI PUKHRAJJI ASHOK JI, KISHOREJI, DILIPJI, ANOUPJI & GULECHA FAMILY CHOOLAIMEDU, CHENNAI
SHRI RAJESHJI AKSHAYJI BHANSALI
GOLDEN DONOR
SHRI SUGALCHANDJI JAIN M/S. SILVERSKY BUILDERS
SHRI ASHISHJI SINGHI M/S. SURENDRA JEWELLERY
IN MEMORY OF LATE SHRI GYANCHANDJI MUNOTH M/S. FABRICO
SHRI GAJRAJ NITESHJI ASHISH BHIRAKCHA M/S. RAINBOW FOUNDATIONS LTD.
SHRI. MAHAVEERCHANDJI, RAJESHKUMAR, RAKESHKUMARJI, DINESHKUMARJI KATARIYA M/S. BROWNTREE
SHRI VIJAY SINGHJI PRIYANK PINCHA M/S. LIFESTYLE HOUSING
SMT LALITHAJI GOUTHAMJI JANGRA KHUSHI TRUST
SHRI MAHAVEERCHANDJI BOKADIA M/S. ARIHANT JEWELLERS PVT. LTD
SHRI KHEMCHANDJI NAVRATANMALJI KANKARIA M/S. KANKARIYA ENTERPRISES
SHRI RAJENDRAJI HIRAWAT M/S. POLYPIPES (I) PVT. LTD.
SHRI DHARMICHANDJI GUNWANTJI MAHAVEERJI KHARIWAL
SHRI KAMLESHJI SHANTILALJI JAIN M/S. JAIN METAL
SMT KAMALA DEVI DULICHAND BAGMAR CHARITABLE TRUST
SHRI HARISHJI KAWAD M/S. GURU HASTI THANGA MALIGAI JEWELLERS
SHRI MADAN SINGHJI KUMAT IN MEMORY OF SMT KANCHAN DEVI KUMAT
SMT SUSHILA BAI G M SIDDHARTHJI MEHTA
SILVER DONOR
SHRI RATANLALJI MUKESHJI RAKESHJI RANKA
SHRI MOTILALJI NAHATA
SHRI PARASMAL KOTHARI & SONS, VADAPALANI
SHRI RAMESH KUMARJI YUVITHJI GUGALIA
SHRI DILIPJI MEHTA
SHRI ASHOKJI MEHTA
SHRI AJITJI CHORDIA
SHRI TANSUKHJI DILIPJI MANOJJI AMITJI NAHAR
SHRI ANANDJI SINGHI
SHRI SURESHJI LUNAWAT
SMT PREMKANWARJI PUKHRAJJI KHICHA
SHRI DEVILALJI KAMLESHJI MANEESHJI RANKA
SHRI GOUTAMJI GOTHI S/O LATE SHRI BHAWARLALJI GOTHI
SHRI PRAKASHCHANDJI AASHISHJI AMITJI DOSHI
SHRI SURESHJI ABHAYJI KANKARIYA
BEAWAR YOUTH ASSOCIATION PROJECT MUSKAAN
SHRI ASHOKJI NAVEENJI GALADA
SHRI PARASMULJI SURESHJI SURANA
SHRI. R. PRASAN CHANDJI LEELA DEVI CHORDIA
SHRI DEVRAJJI ALANKARJI AACHA
SHRI UDAYJI MEHTA
SHRI AGURCHANDJI CHORDIA VIRUDHACHALAM
SHRI PADAMJI RANJITJI AJEETJI KOTHARI
SHRI GYAN CHANDJI ANCHALIYA
SHRI MAHENDERJI CHOUDHARI
SHRI SAMPATRAJJI MANOJJI SINGHVI
SHRI HUKMICHANDJI RAJKUMARJI KOTHARI
SMT VIMALA DEVI SUNILJI RONAKJI RANKA
H. L. SHANTILAL & SONS
SHRI PYARELALJI PITALIYA
RAJESH COLOUR COMPANY
SHRI J AMARCHAND BOKDIA & SONS.
B.L.T
OUR TEAM
AJIT GOTHI PRESIDENT | PRAKASHCHAND BOHRA VICE PRESIDENT | SURESH LUNAWAT VICE PRESIDENT | DEVILAL RANKA VICE PRESIDENT | SUNIL KETHPALIA VICE PRESIDENT | GOUTAMCHAND BOHRA VICE PRESIDENT
RAJESH BOHRA SECRETARY | RAVI SOGANI JOINT SECRETARY | ANIL BOKADIA TREASURER | AJAY NAHAR FRC CHAIRMAN | M G BOHRA AWARD CHAIRMAN | SUMIT BHIRAKCHA BYA PRESIDENT | PRASANTH ANCHALIYA BYA SECRETARY

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.